www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 171 || लखनऊ
मंगलवार
22 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:54
सूर्यास्त: 06:03
अधिकतम: 34:00
न्यूनतम: 27:00

पेज 07

विशेष समाचार | पिघलते ग्लेशियर और खोखले... » पेज 04 | कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च... » पेज 06 | रोहित शर्मा पहुंचे लालबागचा राजा ...

नितिन नवीन ने सीएम की तारीफ की, कहा- यूपी को उत्तम प्रदेश बनाया

बाबर के अनुयायियों को बजरंगी के भक्त ही दे सकते हैं जवाब: योगी

जातिवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में सीएम योगी ने सोमवार को कहा- सपा और कांग्रेस ने प्रदेश को परिवारवाद और जातिवाद की बीमारी दी है। सपा को सनातन से बैर है। राम का नाम लेने से उन्हें उतनी ही चिढ़ होती थी, जितनी बाबर को थी। इसलिए आपको ही सब तय करना है। बाबर के अनुयायियों का जवाब केवल बजरंगबली ही दे सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

"हिमांशु राज ने कहा- मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से सवाल किया था कि देश की करीब 65% आबादी युवा है। 2047 के विकसित भारत में युवा ऐसा क्या योगदान दें, जिससे उनका व्यक्तिगत योगदान भी दिखाई दे? उन्होंने बहुत अच्छा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि युवा अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कोई इंजीनियरिंग कर रहा है, कोई डॉक्टर है और कोई दूसरे क्षेत्र में है। इसलिए युवा जिस भी क्षेत्र में हैं, उसमें खुद को बेहतर बनाएं और मेहनत करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आगे बढ़ने या देश के विकास में योगदान देने के लिए सिर्फ राजनीति में ही आना पड़े।"

■ 25 बुलडोजर से फूल बरसाकर नितिन नवीन का भव्य स्वागत किया गया।

राज ठाकरे के खिलाफ रील बनाने वाले को कालिख पोती

पुणे। आरोप है कि कार्यकर्ताओं ने उनका चेहरा काली स्याही से पोता और राज ठाकरे की तस्वीर के सामने दंडवत करवाया। उनके सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक भी कराई गईं। घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें वे हाथ जोड़कर राज ठाकरे, MNS और पार्टी पदाधिकारियों से बिना शर्त माफी मांगते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे रोते हुए आगे ऐसी गलती नहीं करने और उन्हें परेशान नहीं करने की अपील करते हैं। MNS के हडपसर विधानसभा क्षेत्र के उपविभाग अध्यक्ष शुभम जगदाले ने दावा किया कि महेश मोटे ने करीब 15 दिन पहले एक वीडियो में MNS प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। इसी को लेकर पार्टी कार्यकर्ता नाराज थे। जगदाले के मुताबिक, मोटे पिछले करीब 15-20 दिनों से केरल में थे।

आईआईटी : बॉम्बे स्टूडेंट सुसाइड केस में प्रोफेसर डीन पद से सस्पेंड

संस्थान ने माफी मांगी, कहा था- नकल करते पकड़ा था

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मृतक IIT छात्र | आरोपी प्रोफेसर

मुंबई। IIT बॉम्बे ने बीटेक स्टूडेंट साहिल वाकोडे की मौत मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला को डीन पद से सस्पेंड कर दिया है। हालांकि वे अभी प्रोफेसर पद पर बने रहेंगे। वहीं, संस्थान ने साहिल की मौत को लेकर पहले कही गईं अपनी बातों के लिए माफी भी मांगी है। कहा कि साहिल की मौत से पहले क्या हुआ था, इसकी जांच पूरी होने से पहले कुछ भी कहना सही नहीं था। 22 साल के साहिल IIT बॉम्बे के एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट थे। 18 सितंबर की रात वे पवई कैंपस स्थित हॉस्टल के कमरे में मृत मिले थे। IIT बॉम्बे ने 19 सितंबर को अपने ऑफिशियल बयान में कहा था कि घटना वाले दिन साहिल को मिड-सेमेस्टर एग्जाम में फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। संस्थान ने दावा किया था साहिल ने ChatGPT पर क्वेश्चन पेपर अपलोड करने की कोशिश की। फिर हॉस्टल जाकर सुसाइड कर लिया। इस साल IIT बॉम्बे में सुसाइड का यह तीसरा और देश का 9वां मामला है। पिछले 6 साल के दौरान 2025 में सबसे ज्यादा 16 IIT छात्रों ने सुसाइड किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

"नितिन नबीन ने सुभारती यूनिवर्सिटी में युवा सम्मेलन में छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आजकल नशा और शॉर्टकट युवाओं को सबसे अधिक प्रभवित कर रहा है। हमे इन दोनों से ही बचना चाहिए। युवा रील नहीं रियल को जिएं।"

समर्थक बुलडोजर पर चढ़े, ढोल बजाया, 25 जेसीबी से फूल बरसाए

इससे पहले, नितिन नवीन ने सुभारती यूनिवर्सिटी में युवा सम्मेलन में छात्रों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों से कहा कि आजकल युवा को सबसे ज्यादा नशा और शॉर्टकट प्रभावित कर रहा है। हमें इन दोनों से ही बचना चाहिए। युवा रील नहीं, रियल को फील करे। देश को आगे रखे। मंच पर उनके एक तरफ योगी और पंकज चौधरी बैठे थे। नितिन नवीन का यह पश्चिमी यूपी का पहला दौरा है। सोमवार सुबह 10:45 बजे वह मेरठ के काशी टोल प्लाजा पहुंचे। 3 हजार भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। 25 बुलडोजरों से 5 क्विंटल फूल बरसाए। क्रेन से उन्हें माला पहनाई। बुलडोजरों पर चढ़कर ढोल-नगाड़े भी बजाए और 'जय श्री राम' के नारे लगाए।

इंजीनियरिंग छात्रा खुशी रानी बोलीं- मेरठ में अब सेफ फील करती हूं

इंजीनियरिंग की छात्रा खुशी रानी ने कहा- आज के सेशन में सबसे बड़ी बात यह रही कि मुझे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठने और उनसे सामने से मिलने का अवसर मिला।

एक स्टूडेंट के तौर पर हम बड़े स्तर के लोगों से मिलने के बारे में सोचते हैं, लेकिन यहां हमें उनसे मिलने की ऑपर्च्युनिटी मिली, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

प्रिंस पांडे ने कहा- मेरा सवाल यह था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। इसमें युवाओं की भागीदारी जरूरी है, क्योंकि देश की करीब 65% आबादी युवा है।

सीएम योगी की 3 बड़ी बातें

■ जातीय आधार पर समाज को बांटने की कोशिश नहीं होने देंगे
योगी ने कहा कि विपक्ष फिर समाज और महापुरुषों को जातीय आधार पर बांटने की कोशिश करेगा, लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

■ सपा-बसपा-कांग्रेस पर परिवारवाद और जातिवाद का आरोप
योगी ने कहा कि इन दलों ने राजनीति में परिवारवाद और जातिवाद को बढ़ावा दिया, जबकि भाजपा का जोर 'मेरा क्या' नहीं, 'देश के लिए मैं क्या कर रहा हूं' पर है।

■ अब कट्टा-बंदूक की राजनीति नहीं चलेगी
योगी ने कहा कि सनातन और कांवड़ यात्रा पर रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अब कट्टा और बंदूक की राजनीति के लिए जगह नहीं है।

नितिन नवीन की 3 बड़ी बातें

1- जिन्होंने परिवार के बारे में सोचा, वो दलितों की बात कर रहे
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा- एक समय था, जब यूपी में भय का वातावरण था, लेकिन आज भाजपा सरकार में भरोसे का वातावरण है। सीएम योगी के राज में कानून का राज है। यहां विकास रुक गया था, लेकिन आज यूपी विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। ये आज पिछड़ों और दलितों की बात करते हैं, लेकिन इन्होंने अपने परिवार के अलावा किसी के बारे में नहीं सोचा।

2- 2017 से पहले यूपी में कुछ लोग नल की टोंटी चुरा लेते थे
नितिन नवीन ने कहा- आज योजनाएं गरीब को देखकर बनाई जाती हैं, धर्म-समाज को देखकर नहीं। 2017 से पहले यूपी में कुछ लोग नल की टोंटी चुरा लेते थे। आज वही युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने का सपना दिखा रहे हैं। जिन्होंने सिर्फ अपने परिवार के भविष्य की चिंता की है, वे यूपी के युवाओं की चिंता नहीं कर सकते।

3- पहले कांवड़ियों को रोकने का प्रयास होता था
भाजपा अध्यक्ष ने कहा- आज नए-नए एक्सप्रेस-वे यूपी की पहचान बन रहे हैं। यूपी की विरासत को भी मिटाने का काम यहां की सरकार कर रही थी। कांवड़ियों को रोकने का प्रयास होता था, रामनवमी को रोकने का प्रयास होता था।

गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई तो एक्शन गैरकानूनी कहलाएगा

दोबारा पकड़ने से पहले मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी की स्थिति में मामले की आगे की जांच किसी दूसरे

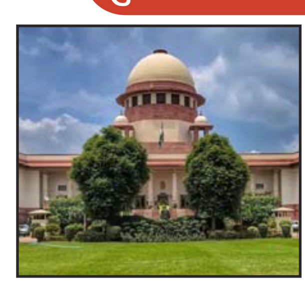

अधिकारी को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणियां शिरोमणि अकाली दल से जुड़े मुल्लांपुर दाखा विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी जसरकरनजीत सिंह की अपील पर कीं। नाबालिग से यौन अपराध के आरोपों से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी की वजह लिखित में नहीं बताई गई थी।

"कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया जाता है और जांच एजेंसी उसे दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है, तो पुलिस सीधे उसे नहीं पकड़ सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी।"

फास्ट न्यूज

दिल्ली में 10 साल की बच्ची से रेप

दिल्ली। दिल्ली के सदर बाजार में 10 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया। घटना 16 सितंबर की रात हुई। पुलिस ने सोमवार को जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बच्ची रात करीब 11 बजे नोटबुक, पेन सहित स्टेशनरी का सामान खरीदने घर से निकली थी। आरोप है कि दुकानदार उसे बहला-फुसलाकर पास की दुकान में ले गया।

एसआईआर लोकतंत्र खत्म करने का औजार था : खड़गे

नई दिल्ली। दिल्ली में SIR प्रक्रिया के तहत भाजपा नेताओं को चुनाव आयोग की तरफ से जारी नोटिस पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने तंज कसा है। खड़गे ने सोमवार को X पर लिखा कि SIR केवल वोट चोरी व लोकतंत्र को खत्म करने का औजार ही नहीं है। बल्कि ये एक फ्रेंकेंस्टीन मॉन्स्टर (एक कहानी का किरदार) बन गया है जिसने अब उसी के लोगों को फंसा दिया है। दरअसल दिल्ली में SIR के तहत बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चुनाव आयुक्त एसएस संधू को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है।

2012 का कर्नाटक रेप मर्डर केस में फिर जांच होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक के धर्मस्थला में 2012 के बलात्कार-हत्या केस की दोबारा जांच का आदेश दिया। यह मामला 17 साल की छात्रा से जुड़ा है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने कर्नाटक सरकार को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाने को कहा। SIT को जांच तीन महीने में पूरी करनी होगी।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने पूरा वंदे मातरम गाया

विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा। इसी साल 9 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

जानकारी : सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी का बड़ा खुलासा, कहा- 2 दिन में चार्जशीट दाखिल कर देंगे

राम मंदिर में 70 नहीं, 105 बार हुई चढ़ावा चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में बड़ा खुलासा हुआ है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि मंदिर के CCTV फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 नहीं, 105 घटनाएं कैद हुई हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की स्टेटस रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट को जांच की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि SIT की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। SIT ने CCTV फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य सबूतों की जांच कर आरोपियों की पहचान की है। चढ़ावे और कीमती सामान की रसीदें सॉफ्टवेयर के जरिए तैयार होती हैं और सामान SBI के लॉकर में रखा जाता है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर ले लिया है। इससे पहले 23 जून को पहली SIT ने अपनी प्राइमरी जांच रिपोर्ट प्रदेश सरकार को सौंपी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 27 अप्रैल से 5 जून के बीच CCTV में लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं कैद हुईं थीं। फुटेज में पुलिस की गिरफ्त में आए 8 आरोपी नोटों की गड्डियां जेब और जूतों में छिपाते हुए दिखे थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दूसरी SIT बनाई गई है, जो जांच कर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच कर रही SIT

अध्यक्ष	सदस्य	सदस्य
किरण एस (आईजी, लखनऊ रेंज)	सोमेन वर्मा (डीआईजी, अयोध्या रेंज)	गौरव ग्रोवर (एसएसपी, अयोध्या)

जुलाई में जारी हुई थी नोटिस

चढ़ावा चोरी के मामले की जांच के लिए जुलाई में सुप्रीम कोर्ट में 4 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, यूपी सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था।

याचिकाकर्ताओं में RJD सांसद सुधाकर सिंह, वकील एनके गोस्वामी, अजय कुमार राय और हिंदू धर्म परिषद शामिल हैं। याचिका में राम मंदिर ट्रस्ट के पैसों का पूरा ऑडिट कराने की मांग भी की गई है।

22 सितंबर को 90 दिन पूरे, क्या जमानत पर बाहर आएंगे आरोपी?

वरिष्ठ अधिवक्ता शिवम पांडेय के मुताबिक, जिन मामलों में कानून के तहत 90 दिन में चार्जशीट दाखिल करना जरूरी होता है।

वहां समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर आरोपी को वैधानिक यानी डिफॉल्ट बेल का अधिकार मिल सकता है।

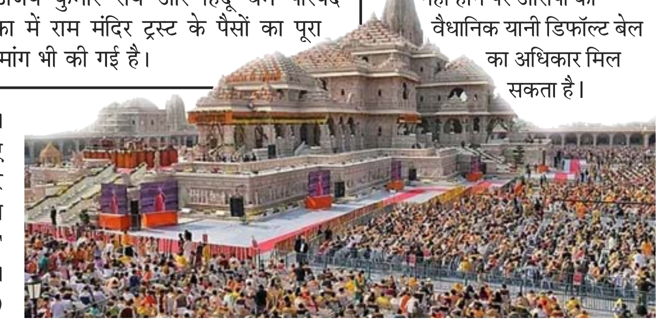

इसी पर उपचुनाव लड़ेंगी, इससे पहले 2 पार्टियों को मिल चुका यही सिंबल

ममता की नई पार्टी का लोगो 'फुटबॉल खिलाड़ी' लॉन्च

जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले TMC गुट ने सोमवार को नया लोगो फुटबॉल खिलाड़ी जारी कर दिया। चुनाव आयोग ने फिलहाल पार्टी का पुराना नाम और सिंबल फ्रीज कर दिया है। आयोग ने दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न दिए हैं। ममता गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और अरूप रॉय वाले विरोधी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम, लिफाफे का सिंबल दिया गया है। ममता बनर्जी के गुट से पहले "फुटबॉल खेलता हुआ खिलाड़ी" चुनाव चिन्ह राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) और तेलंगाना की युगा तुलसी पार्टी को भी मिल चुका है। राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक): पार्टी को शुरुआती दौर में अस्थायी चुनाव चिन्ह के तौर पर फुटबॉल खेलता हुआ खिलाड़ी मिला था।

>> (शेष पेज 06 पर)

रेजीनगर में टीएमसी के दोनों गुट के उम्मीदवार मैदान में

नई पहचान की पहली सीधी चुनावी परीक्षा रेजीनगर में होगी। यहां तृणमूल के दोनों विरोधी गुट चुनाव मैदान में हैं। रेजीनगर में दोनों तृणमूल गुट आमने-सामने हैं, जबकि नंदीग्राम में ममता गुट कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में मैदान से बाहर हो गया है। नंदीग्राम में स्थिति अलग है। ममता बनर्जी की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद चुनाव से नाम वापस ले लिया।

17 सितंबर को आयोग ने पुराना नाम-सिंबल रोका

चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को तृणमूल कांग्रेस पर दोनों गुटों के दावों की सुनवाई की थी। आयोग ने आदेश दिया कि विवाद पर अंतिम फैसला होने तक कोई भी गुट पार्टी का मौजूदा नाम और सिंबल इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। यह फैसला उपचुनाव के नामांकन की आखिरी तारीख पर आया था।

सोनिया के वोटर विवाद में कोर्ट ने फैसला पलटा

नए सिरे से सुनवाई होगी, आरोप- 1983 में नागरिकता मिली

पलटी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर्स केस में मजिस्ट्रेट कोर्ट का एक साल पुराना फैसला पलट दिया। दरअसल 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट ने सोनिया के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के चलते FIR दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। याचिका एडवोकेट विकास त्रिपाठी ने दाखिल की थी। आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी। शिकायत में कहा गया कि उनका नाम 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था और 1983 में दोबारा शामिल किया गया। आरोप था कि यह दोबारा दर्ज किया जाना भी 30 अप्रैल 1983 को नागरिकता हासिल करने से पहले हुआ था। मजिस्ट्रेट के आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 175(3) का पालन नहीं किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुलायम की 'कन्या विद्या धन योजना' अखिलेश फिर लॉन्च करेंगे पहले इस योजना में 30 हजार मिलते थे

'चुनाव जीते तो 12वीं पास छात्राओं को देंगे 50 हजार और लैपटॉप'

योजना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि यूपी में सपा सरकार बनी तो 'कन्या विद्याधन योजना' फिर शुरू कर सकते हैं। इसके तहत 12वीं पास छात्राओं को 50 हजार दिए जाएंगे। पहले इस योजना में 30 हजार मिलते थे।

सिर्फ इतना ही नहीं, चुनाव से ठीक पहले वे अपनी पुरानी योजनाओं को भी नए सिरे से चर्चा में ला रहे हैं। बेरोजगारी भत्ता, कन्या विद्याधन और मेधावी छात्रों को लैपटॉप बांटने जैसी योजनाओं के भरोसे वो फिर मास्टरस्ट्रोक लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इनमें जेन-जी के साथ यूपी की 7 करोड़ से ज्यादा महिला वोटर्स को खासतौर पर ध्यान में रखते हुए ऐलान किए जा रहे हैं।

यह 17 अगस्त, 2026 की तस्वीर है। सपा जेन-जी के साथ यूपी की 7 करोड़ से ज्यादा महिला वोटर्स को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ रही है।

स्त्री सम्मान समृद्धि योजना- मार्च, 2026 में अखिलेश यादव ने कहा था- आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हर साल 40 हजार रुपए पेंशन दी जाएगी। इसमें हर साल कुछ बढ़ोतरी का प्रावधान भी होगा। विश्लेषक इसे अखिलेश यादव सरकार (2012-17) के दौरान लागू 'समाजवादी पेंशन योजना' का एक मॉडर्न रूप मान रहे हैं।

कन्या विद्याधन मुलायम ने शुरू की, अखिलेश ने मॉडर्न बनाया

कन्या विद्याधन योजना मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में शुरू हुई थी। इसके तहत 12वीं पास छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। मार्च, 2012 में सत्ता संभालने के बाद अखिलेश यादव ने न सिर्फ इस योजना को जारी रखा, बल्कि इसकी राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दी। यूपी बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई से अच्छे अंकों के साथ 12वीं पास करने वाली छात्राओं के बैंक खातों में ये पैसे भेजे जाते थे।

पार्टी प्रवक्ता मनोज यादव कहते हैं- सपा सरकार में गरीब महिलाओं को हर महीने 500 रुपए पेंशन दी गई। छात्राओं को कन्या विद्याधन योजना के तहत 30 हजार की सहायता दी गई। 2027 में सपा की सरकार बनने पर महिलाओं के लिए नई योजनाएं शुरू की जाएंगी।

मनोज यादव ने कहा कि चुनाव जीतने पर सपा महिलाओं को सशक्त बनाएगी। मौजूदा सरकार के पास सिर्फ 'जुमले' हैं।

अखिलेश के वादों और यूपी के बजट में कितना तालमेल

चुनाव के समय में भाजपा अखिलेश के इन दावों पर सवाल उठाती है, क्योंकि इन वादों को पूरा करने के लिए भारी भरकम बजट की जरूरत होगी। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक राजेंद्र कुमार कहते हैं- जब सपा ने 2012 में लैपटॉप और कन्या विद्याधन बांटा था, तब यूपी का कुल बजट लगभग 2.10 लाख करोड़ रुपए हुआ करता था। आज प्रदेश सरकार का वार्षिक बजट बढ़कर 7.36 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है। यानी सपा सरकार के समय से तीन गुना बड़ा है। बड़े बजट से सरकार के लिए गुंजाइश बढ़ जाती है कि वो लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर ज्यादा खर्च कर सके।

सरोजनीनगर में डंपर से टकराई कार, दरोगा की मौत

डायल 112 मुख्यालय में थे तैनात

तमसा संकेत, एजेंसी

सत्येंद्र सिंह मृतक दरोगा

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ के सरोजनीनगर में सोमवार सुबह सड़क हादसे में डायल 112 मुख्यालय में तैनात दरोगा सत्येंद्र सिंह की मौत हो गई। उनकी तेज रफ्तार वैगन आर कार सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, कानपुर नगर के सनिगवां कोयला नगर निवासी सत्येंद्र सिंह सोमवार सुबह करीब 7 बजे कानपुर से लखनऊ आ रहे थे। वह ड्यूटी के लिए निकले थे और काफी देर हो गई थी। इसी वजह से वह तेज रफ्तार में कार चला रहे थे। सरोजनीनगर में दरोगा खेड़ा के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे से जा घुसी।

हादसे में सत्येंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल सत्येंद्र सिंह को सरोजनी-नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक दरोगा की उम्र करीब 51 वर्ष है। दरोगा के परिवार में उसकी पत्नी अलका सिंह और बेटा राज है।

फास्ट न्यूज

कट बंद हुए तो बढ़ गई राह की दूरी

अंबेडकरनगर। बरियावन बाजार से मसड़ा मोहनपुर तक कई जरूरी कट बंद होने से राहगीरों और वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है। सबसे ज्यादा दिक्कत पेट्रोल पंपों के सामने बंद किए गए कट से हो रही है। वाहन चालकों को दूसरी दिशा से घूमकर आना-जाना पड़ रहा है। कई बार इसके लिए कई किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क के बीच बने कट से आसपास के गांवों और बाजार की ओर जाना आसान था।

गन्ने के सट्टे में गड़बड़ी मिली तो यहीं होगा सुधार

अंबेडकरनगर। गन्ना किसानों के सट्टे और सर्वे से जुड़ी जानकारी में अब गलती मिलने पर सुधार का मौका मिलेगा। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड अकबरपुर में सोमवार से सात दिवसीय सट्टा प्रदर्शन शुरू हो गया। एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय ने इसका उद्घाटन किया। प्रदर्शन 21 से 27 सितंबर तक चलेगा। उद्घाटन के बाद एमएलसी ने समिति परिसर में बनाए गए सभी काउंटरों का निरीक्षण किया। उन्होंने गन्ना पर्यवेक्षकों से किसानों को सर्वे और सट्टे का पूरा विवरण दिखाने के निर्देश दिए।

सफाई मित्रों को बांटी सुरक्षा किट

अंबेडकरनगर। 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत सोमवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर कार्यालय परिसर में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित किया गया। इसमें सफाई कर्मियों को कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए किट वितरित की गई। सुरक्षा किट में गमबूट, ग्लव्स, मास्क और हेलमेट शामिल रहे। अधिकारियों ने सफाई कार्य के दौरान इन उपकरणों का इस्तेमाल करने पर जोर दिया।

लखनऊ विमेंस प्रीमियर लीग का शेड्यूल जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विमेंस प्रीमियर लीग में होने वाले मुकाबलों का शेड्यूल सोमवार शाम जारी कर दिया गया। लीग दौर में तीन दिन डबल हेडर मैच होंगे। एक दिन 25 सितंबर को तीन मैच खेले जाएंगे। फाइनल 28 सितंबर को होगा।

शहर के लोकल ग्राउंड में 23 सितंबर से लीग शुरू होगी। पहले दिन पहला मुकाबला रहीमाबाद रॉयल्स और लखनऊ शेरनीज के बीच होगा। दूसरे मैच में सेज फाल्कन और 4 स्क्वायर वारियर्स आमने-सामने होंगी। लीग की डिप्टी कमिश्नर प्रियंका शैली ने बताया कि लीग में हिस्सा ले रही सभी 6 टीमें तीन-तीन मैच खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। लीग मैच गोमती किनारे सेज ग्राउंड पर और सेमीफा-इनल केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले जाएंगे। फाइनल का वेन्यू अभी तय नहीं किया गया है।

सपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहकर न्याय दिलाने और सम्मानजनक व्यवहार करने की अपील की

भाजपा के नकली दावों से सावधान रहें : अखिलेश

तमसा संकेत,संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर विकास के नाम पर केवल दावे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में विकास का कोई काम नहीं किया। सरकार विकास कार्यों का ढिंढोरा पीटती है, जबकि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा के कथित दावों से सावधान रहने और जनता के बीच रहकर काम करने का आह्वान किया। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनना राज्य और लोकतंत्र के लिए बहुत आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया

कि भाजपा सरकार के कारण पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश अकर्मण्यता का शिकार हो गया है। प्रदेश के करोड़ों नौजवान बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। भाजपा सरकार नौकरी और रोजगार को लेकर झूठे दावे कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है और जनता सपा के पक्ष में है। उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहने तथा लोगों के साथ सम्मानजनक भाषा और व्यवहार करने को कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में

सपा अध्यक्ष ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, भाजपा अपने झूठ के एजेंडे को और आगे बढ़ाएगी और शोर मचाएगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यों को जनता आज भी याद करती है। उनके अनुसार सपा सरकार के कार्यकाल में किसानों, नौजवानों, छात्रों और मजदूरों के हित में कई योजनाएं और काम किए गए थे।

लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है और जनता अन्याय व अत्याचार से त्रस्त है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता को समाजवादी पार्टी से बहुत उम्मीदें हैं। ऐसे में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहें और लोगों की समस्याओं के समाधान तथा उन्हें न्याय दिलाने का काम करें। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को रिकॉर्ड संख्या में सीटें जिताने जा रही है।

लोकतंत्र में सरकार जनता के प्रति जवाबदेह

सोमवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती है, लेकिन भाजपा सरकार को जनता की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है और विकास के मुद्दे पर केवल प्रचार करती है। उनके मुताबिक प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से परेशान है।

सियासी हलचल अखिलेश के साथ अतीक-मुख्तार की तस्वीरें

शिवबाबा धाम से तिवारीपुर तक रातोंरात लगे विवादित होर्डिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क किनारे लगे विवादित होर्डिंग से सियासी हलचल बढ़ गई। शिवबाबा धाम से तिवारीपुर तक कई स्थानों पर रात में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तस्वीर वाले होर्डिंग लगाए गए। इनमें अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी, गुलशन यादव समेत कई लोगों की तस्वीरें लगाई गई थीं। होर्डिंग पर सपा और अखिलेश यादव को लेकर आपत्तिजनक नारे लिखे गए थे।

सुबह राहगीरों और स्थानीय लोगों की नजर होर्डिंग पर पड़ी तो इसकी जानकारी तेजी से फैली। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। मामले की जानकारी मिलने पर सपा नेता

महेंद्र यादव कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने कई स्थानों से होर्डिंग उतरवा दिए। पुलिस और एलआईयू की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई।

स्थानीय रिपोर्टों में अकबरपुर के शिवबाबा धाम से तिवारीपुर तक सात स्थानों पर रातोंरात ऐसे होर्डिंग लगाए जाने की बात सामने आई है। वहीं, एक अन्य स्थानीय रिपोर्ट में शिवबाबा धाम के पास तीन अलग-अलग स्थानों पर होर्डिंग मिलने का उल्लेख है। होर्डिंग में अखिलेश यादव के साथ अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी, गुलशन यादव, मित्रसेन यादव और रिजवान जहीर की तस्वीरें दिखाई गईं। एक प्रमुख नारे में 'माफियाराज और अखिलेश, लूट लिया था पूरा प्रदेश' लिखा था। यह पोस्टर में लगाए गए आरोप हैं। इनका स्वतंत्र सत्यापन नहीं हुआ है।

पोस्टर की जानकारी मिलते ही महेंद्र यादव कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने होर्डिंग हटवा दिए। इसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

मनीष राय ने छात्र-छात्राओं के दल को विधानसभा भवन का भ्रमण कराया

उत्तराखंड के मेधावी छात्रों ने किया उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तराखंड के देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री विनोद कंडारी के नेतृत्व में 60 मेधावी छात्र-छात्राओं के दल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का भ्रमण किया। विधानसभा पहुंचने पर छात्रों ने सदन की कार्यप्रणाली, विधायी परंपराओं तथा आधुनिक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

हेड मार्शल श्री मनीष राय ने छात्र-छात्राओं के दल को विधानसभा भवन का भ्रमण कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को सदन की कार्यवाही, प्रश्नकाल, विधायी प्रक्रिया तथा विधानसभा की विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने विधानसभा भवन के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन किया।

इस दौरान विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश विधानसभा में किए गए आधुनि-कीकरण, डिजिटल तकनीक के प्रयोग और ई-विधान की व्यवस्था से भी परिचित कराया गया। विधायक श्री विनोद कंडारी ने कहा कि विद्यार्थियों को लोकतंत्र की महत्वपूर्ण संस्थाओं की कार्यप्रणाली से परिचित कराने से उनमें लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति समझ विकसित होती है।

मेधावी छात्रों ने विधानसभा भ्रमण को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताते हुए अपने अनुभव साझा किए।

प्रतिभाग : आत्मनिर्भरता की होगी नई उड़ान, इंटरनेशनल ट्रेड शो में होगी दमदार उपस्थिति

इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी की दीदियों के उत्पादों को मिलेगा ग्लोबल मंच

वैश्विक व्यापार के महाकुंभ (इन्टरनेशनल ट्रेड शो) में दीदियों के उत्पादों के व्यापार के मामले में मिलगी ग्लोबल पहचान - केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेन्टर एवं मार्ट में आयोजित इंटरने-शनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा भी प्रतिभाग किया जाएगा। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में गठित समूहों के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा ।इन समूहों के द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं उसका विपणन इस ट्रेड शो में किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ट्रेड शो में जाने वाली समूह की दीदियों को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन हेतु एक बहुत अच्छा अवसर प्राप्त होगा एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को एक अच्छा बाजार मिलने की भी संभावना बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि इससे दीदियों के उत्पादों के व्यापार व सम्भावनाओं के मामले में ग्लोबल पहचान मिलेगी । देश, दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के हुनर को प्रदर्शित किये जाने का एक अच्छा मंच ट्रेड शो साबित होगा । मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्री अरुण कुमार ने बताया कि यह ट्रेड शो राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वय सहायता समूहों की महिलाओ हेतु एक बहुत बड़ा अवसर है, जहां उनके द्वारा अपने बनाए उत्पादों को विक्रय करने का भी सुअवसर मिलने वाला है और समूह की महिलाओ को अच्छा मुनाफा प्राप्त होने की आशा है

परंपरा और आधुनिकता का संगम होगा

लोकल से वोकल और वोकल से ग्लोबल तक पहुंचेगा उत्तर प्रदेश का हुनर

उत्साहपूर्वक जानकारी प्रदान की जाएगीं

यू०पी० इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं यथा समूह गठन की प्रक्रिया, टेक होम राशन, बी०सी० सखी, विद्युत सखी एवम बलिनी आदि के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्रदान की जाएगीं साथ ही साथ समूहों द्वारा उत्पादित उत्पाद यथा- मसाले, मुरब्बा, अचार, परिधान, जरी जरदोजी, पॉटरी , ज्वैलरी आदि का विक्रय भी बड़ी मात्रा में किये जाने की योजना है । यूपी इण्टरने-शनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण मे एक्स्पो मार्ट ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सभी 75 जनपदों के चयनित 75 स्वयं सहायता समूहो द्वारा उनके बनाये गए उत्पादों यथा- जूट का सामान ,जरी साड़ी, ज्वेलरी, चिकन कारी- सारी, सूट, नमकीन, टेराकोटा का समान, चमड़े का सामान एवं बलिनी के उत्पाद आदि का विक्रय एवं प्रदर्शन किये जाने की योजना है।

पत्नी ने रिश्तेदार से कराई पति की हत्या चाकू से गला काटा

अफेयर में रोड़ा बन रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पत्नी ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर पति की हत्या करा दी। पति का शव 14 सितंबर की सुबह कृष्णानगर इलाके में मौरंग के ढेर पर मिला था। पुलिस के मुताबिक, पत्नी का अपने दूर के रिश्तेदार से अफेयर था। पति को दोनों के रिश्ते की जानकारी हो गई थी। इसके बाद वह उनके बीच रुकावट बन गया था।

13 सितंबर की रात प्रेमी ने युवक को पार्टी के बहाने कृष्णानगर बुलाया। वहां दोनों ने शराब पी। इसके बाद नीरज ने चाकू से रामबाबू के गला रेत दिया। पुलिस ने सोमवार दोपहर 2:30 बजे मामले का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को जेल भेज दिया है।

पुलिस ने मृतक की आरोपी पत्नी और उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार किया। पत्नी ने अफेयर के चलते पति की हत्या करा दी।

पुलिस ने मृतक की आरोपी पत्नी और उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार किया। पत्नी ने अफेयर के चलते पति की हत्या करा दी।

काकोरी के गोला कुआं गांव का रामबाबू मौर्य पत्नी पुष्पा, 2 बेटियों लाडू और समीक्षा के साथ रहता था। 12 साल पहले उसकी शादी हुई थी। वह मजदूरी करता था। पिता गोविंद प्रसाद, मां राजकुमारी भी उसी के साथ रहती थीं। बड़े भाई लवकुश और छोटे श्याम बाबू अपने परिवार के साथ रहते हैं।

बहन दीपिका की शादी हो चुकी है। 14 सितंबर की सुबह हत्या की सूचना पाकर दीपिका भी मौके पहुंची थीं। उन्होंने बताया था- कल रात करीब 9 बजे भाई ने मां से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि वह अभी घर नहीं पहुंचा है।

राम बाबू मौर्य, मृतक

तेज धूप में चक्कर लगाते समय बिगड़ी तबीयत, 2400 मीटर दौड़ पूरी करनी थी

होमगार्ड भर्ती दौड़ में 12 महिला अभ्यर्थी बेहोश

10 अभ्यर्थियों को उपचार के बाद छुट्टी

मौके पर मौजूद लोगों और भर्ती व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों की मदद से बेहोश हुई युवतियों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया। 10 युवतियों को इंजेक्शन और प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि दो अभ्यर्थियों को अभी भर्ती रखा गया है। दोनों को ड्रिप लगाई जा रही है।

- महिला अभ्यर्थियों का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ मिला। इसके बाद उनका इलाज किया गया।
- अभ्यर्थी अनन्या ने बताया कि धूप तेज होने के कारण हम बेहोश होकर गिर गए थे।

दो-तीन राउंड के बाद बिगड़ी तबीयत

महिला अभ्यर्थियों को 16 मिनट में 2400 मीटर की दौड़ पूरी करनी थी। इसके लिए पीएसी ग्राउंड पर करीब 6.5 राउंड लगाने थे। सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच दौड़ शुरू होने के बाद कुछ ही देर में कई अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ने लगी। बताया गया कि कुछ युवतियां दो-तीन राउंड पूरा करने के बाद ही बेहोश होकर गिर गईं। दौड़ के दौरान महिला अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ने के बाद भर्ती स्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। होमगार्ड भर्ती की शारीरिक परीक्षा के दौरान सोमवार को पीएसी ग्राउंड में दौड़ लगा रहीं 12 महिला अभ्यर्थियों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। तेज धूप और गर्मी के बीच दौड़ के दौरान कई युवतियां चक्कर आने के बाद मैदान में गिर पड़ीं। इससे भर्ती स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सभी अभ्यर्थियों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बेहोश होने वाली अभ्यर्थियों में अर्पिता (22), सपना देवी (30), पूर्णिमा (24), कविता (25), सपना (30), आंचल (23) और दिव्या (22) समेत 12 युवतियां शामिल हैं। अभ्यर्थी अनन्या ने बताया कि दौड़ के दौरान उन्हें चक्कर आया और इसके बाद वह मैदान में गिर गईं। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सोमवार को हुई होमगार्ड भर्ती की शारीरिक परीक्षा में करीब 1,050 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी शामिल थे। शारीरिक परीक्षा में पुरुष अभ्यर्थियों को 28 मिनट में 4800 मीटर दौड़ पूरी करनी थी। वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए 16 मिनट में 2400 मीटर दौड़ का मानक निर्धारित किया गया है। रायबरेली के पीएसी ग्राउंड में महिलाओं के लिए करीब 6.5 और पुरुषों के लिए आठ राउंड निर्धारित किए गए हैं।

भर्ती परीक्षा में रायबरेली के अलावा कानपुर, अमेठी, उन्नाव, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, बाराबंकी और सुल्तानपुर से भी अभ्यर्थी पहुंचे थे।

हरदोई में स्वच्छता जागरूकता रैली निकली

हरदोई। हरदोई में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से सोमवार दोपहर 12:30 बजे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत एक बड़ी स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इस अभियान की शुरुआत कलेक्ट्रेट परिसर से जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुई। रैली और स्वच्छता जागरूकता वाहनों को डीएम अनुनय झा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती और भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने संयुक्त रूप से कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन शहर के मुख्य रास्तों से होते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश देने के लिए आगे बढ़े। इस मौके पर डीएम अनुनय झा ने मौजूद लोगों और अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि एक साफ और स्वस्थ समाज बनाने के लिए जिले के हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अपने घरों, मोहल्लों और आसपास के सार्वजनिक जगहों को साफ रखने में पूरा सहयोग दें।

जर्जर बिजली लाइन को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

हरदोई में भदैचा फीडर से बार-बार बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग की

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के भदैचा फीडर की जर्जर बिजली लाइनों और अनियमित बिजली आपूर्ति से परेशान ग्रामीणों ने सोमवार, 21 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे अधिशासी अभियंता प्रेम कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में बिजली लाइनें लंबे समय से खराब हैं। इसके चलते अक्सर सप्लाई ठप हो जाती है और रोजमर्रा के काम प्रभावित होते हैं। उन्होंने विभाग से जर्जर लाइनों की मरम्मत कराकर बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग की।

ग्रामीणों के मुताबिक, भदैचा फीडर से जुड़े क्षेत्र में बिजली आपूर्ति नियमित नहीं रहती। लाइन में खराबी के साथ ज्यादा रोस्टिंग होने से भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है।

उनका कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने अधिशासी अभियंता से बिजली व्यवस्था की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देने और जल्द कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि जर्जर लाइनों को ठीक कराने से सप्लाई में सुधार हो सकता है और क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी।

इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में मंडल महामंत्री मुकेश अवस्थी, माधोपुर प्रधान बंटू सिंह, भाजपा बूथ अध्यक्ष अंकित कुमार गुप्ता, नीरज पाल, रामवीर सिंह यादव और सत्येंद्र पाल शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

महिला ने लगाई ससुराल में फांसी

उन्नाव। उन्नाव के मौरावां थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक महिला ने ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार में मातम छा गया। पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम हाउस में सोमवार दोपहर मृतका के मायके वालों ने घटना के बारे में पुलिस को जानकारी दी।

पिता को मृत दिखाकर नौकरी लेने का आरोप

उन्नाव। उन्नाव में मृतक आश्रित कोटे से शिक्षक की नौकरी पाने के मामले में नया विवाद सामने आया है। आरोप है कि श्रीराम यादव को साल 2002 में सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाया गया और इसके बाद उनके बेटे रामबरन यादव ने मृतक आश्रित कोटे से शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली। शिकायतकर्ता ने इस मामले की शिकायत डिप्टी सीएम, शिक्षा निदेशक, बीएसए और बीईओ से की है। बीएसए ने प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ललितेश सिंह का आरोप है कि श्रीराम यादव को साल 2002 में सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाया गया था।

खेत के पानी में डूबने से युवक की मौत

हरदोई। हरदोई के भीटामहासिंह गांव में 21 सितंबर सोमवार सुबह एक युवक की धान के खेत में पानी में डूबने से मौत हो गई। वीरेंद्र (33) अपने खेत में काम करने गया था तभी उसे मिर्गी का दौरा पड़ गया और वह पानी में गिर गया। यह घटना सुबह करीब 8:30 बजे हुई। खेत में पानी भरा हुआ था। मिर्गी का दौरा पड़ने के कारण वीरेंद्र खुद को संभाल नहीं पाया और पानी में जा गिरा। काफी कोशिशों के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही जान चली गई।

उन्नाव में मानसिक परेशानी से जूझ रही थीं, पुलिस जांच में जुटी

बाग में पेड़ से लटका मिला महिला का शव

- आम के बाग में पेड़ से महिला का शव लटका मिला। मौके पर लोगों की भीड़ जुटी।

तमसा संकेत, एजेंसी

घर से निकलीं, बाग में मिला शव

सालेहनगर करौंदी गांव निवासी 60 वर्षीय रामरती पत्नी पुरई सोमवार सुबह घर से निकली थीं। इसके बाद वह गांव के ही शेष नारायण के आम के बाग में पहुंचीं। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने वहां एक पेड़ से उनका शव लटका देखा। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने सफीपुर कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। इसके बाद पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। परिजनों के मुताबिक, रामरती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उनके परिवार में एक शादीशुदा बेटा हरी लाल है। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने भी बताया कि रामरती मानसिक परेशानी से जूझ रही थीं। हालांकि, घटना की स्पष्ट वजह अभी सामने नहीं आई है।

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सालेहनगर करौंदी गांव में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर सफीपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। परिजनों के मुताबिक, महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। हालांकि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। सफीपुर कोतवाली प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि महिला का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिला था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी के दौरान पीआरवी चालक होमगार्ड की हुई अचानक मौत

हरदोई के बेनीगंज में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में एक होमगार्ड की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह यूपी 112 पीआरवी 9674 में तैनात थे। इस घटना के बाद से परिवार में दुख का माहौल है। घटना सोमवार सुबह करीब 4:00 बजे हुई। इसके पास कोथावां सीएचसी में उनको मृत घोषित कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, टड़ियावां थाना क्षेत्र के काकूमऊ गांव के रहने वाले 53 वर्षीय शिशुपाल पुत्र सुरेंद्र बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र में पीआरवी 112 पर बाइक चालक थे।

रविवार रात वह अपने साथी होमगार्ड अंकुर कुमार के साथ इलाके में गश्त पर थे।

सोमवार सुबह करीब चार बजे शिशुपाल के सीने में अचानक तेज दर्द हुआ। इससे वह असहज होकर बाइक से नीचे बैठ गए। साथी होमगार्ड अंकुर ने स्थिति समझते हुए तुरंत बेनीगंज कोतवाली पुलिस और शिशुपाल के परिवार को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे।

वे जल्दी से उन्हें निजी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोथावां ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल लाने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक शिशुपाल के परिवार में उनकी मां जयदेवी, पत्नी सुधा, दो बेटे अभिषेक और हिमांशु, बेटी संध्या और बहू अंतिमा हैं।

परिवार के मुखिया की अचानक मौत से पूरा परिवार मुश्किल में आ गया है। बच्चों और पत्नी का बुरा हाल है, और पूरा गांव इस घटना से दुखी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत जरूरी कार्रवाई की। बेनीगंज कोतवाल अतुल कुमार सिंह ने मामले की पुष्टि की। कहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नमो सेवा नाटक में दिखेगा पीएम मोदी का सफर

उन्नाव में 6 बड़े और 180 नुक्कड़ नाटक होंगे, 13 अक्टूबर तक कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर भाजपा के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत उन्नाव में उनकी सेवा यात्रा को रंगमंच पर दिखाया जाएगा। 'नमो सेवा—अनकही कहानियां' नाम से जिले की सभी 6 विधानसभाओं में खास नाटक दिखाए जाएंगे। इसके साथ ही हर विधानसभा में 30-30 नुक्कड़ नाटक भी होंगे। अभियान के तहत कुल 180 नुक्कड़ नाटक और 6 बड़े नाटक दिखाने की योजना है। ये कार्यक्रम सोमवार से शुरू होकर 13 अक्टूबर तक चलेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले में कई कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि नाटकों के जरिए प्रधानमंत्री के गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा तक के सफर को मंच पर बातचीत, अभिनय, संगीत और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। भाजपा के मुताबिक, नाटक और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन जिले के प्रमुख स्थलों के साथ-साथ स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामुदायिक केंद्रों पर किया जाएगा। इसका मकसद अभियान के संदेश को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। आयोजकों के अनुसार, नाटकों को आसान, भावुक और संगीतमय बनाया गया है, ताकि अलग-अलग वर्गों के लोग इसे आसानी से समझ सकें। नाटकों में प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की अलग-अलग घटनाओं को अभिनय और बातचीत के जरिए दिखाया जाएगा। भाजपा का कहना है कि इनमें सेवा, समर्पण, अंत्योदय, लोगों की भलाई, अच्छे शासन और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर जोर दिया जाएगा। कलाकार मंच पर इन घटनाओं को भावुक और जीवंत तरीके से दिखाएंगे।

किसान आयोग, एमएसपी गारंटी कानून और टोल टैक्स से छूट समेत कई मांगें रखीं

भाकियू भानु ने पीएम के नाम ज्ञापन दिया

- उन्नाव में भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। न्नाव में भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों ने सोमवार दोपहर कलेक्ट्रेट पहुंचकर किसानों की कई मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने किसान आयोग बनाने, एमएसपी पर गारंटी कानून बनाने और किसानों को टोल टैक्स से छूट देने समेत कई मांगें रखीं। पदाधिकारियों ने कहा कि अगर इन मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। भाकियू भानु के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सहयोगी प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रदेश के सभी 75 जिलों में ऐसे ज्ञापन दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की मुख्य मांग किसानों की समस्याओं को हल करने और उनकी स्थिति की समीक्षा के लिए किसान आयोग बनाना है। इसके साथ ही किसानों की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के लिए कानून बनाने की मांग भी की गई है। जिला अध्यक्ष ने यह भी बताया कि किसानों को अपनी चार पहिया गाड़ियों से खेती और दूसरे जरूरी कामों के लिए आने-जाने में टोल टैक्स देना पड़ता है। संगठन ने मांग की है कि किसानों को टोल टैक्स से छूट दी जाए। उनका कहना था कि किसान पहले से ही कई खर्चों का बोझ उठा रहे हैं, ऐसे में उन्हें टोल से राहत मिलनी चाहिए। ज्ञापन में पूर्व सांसदों और विधायकों को मिलने वाली पेंशन का मुद्दा भी उठाया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि कई बार सांसद या विधायक बनने वाले नेताओं को भी पेंशन मिलती है। भाकियू भानु ने इस व्यवस्था को बंद करने की मांग की है। इसके अलावा, संगठन ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने की मांग की। उन्होंने मंडियों में प्राकृतिक उत्पादों के खरीद केंद्र या दुकान बनाने और जैविक उत्पादों का सही दाम तय करने को भी कहा।

विस्तार : उद्धव ठाकरे के निर्देश पर नवंबर में होगा जिलों का दौरा, लखनऊ में बनेगा मुख्यालय

शिवसेना यूबीटी यूपी में संगठन मजबूत करने की तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) ने उत्तर प्रदेश में संगठन को विस्तार देने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने जिला और मंडल स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति तैयार की है। पार्टी के नए प्रदेश संपर्क प्रमुख और राष्ट्रीय संघटक अशोक तिवारी को प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद प्रदेश महासचिव और पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी मनोज मिश्र विद्रोही ने बताया कि राष्ट्रीय प्रमुख उद्धव ठाकरे के निर्देश पर अशोक तिवारी नवंबर में प्रदेश के सभी जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान वे शिवसैनिकों और पदाधिकारियों से संवाद कर संगठन की स्थिति की जानकारी लेंगे और जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। बैठक में अशोक तिवारी ने मंडल प्रमुखों और प्रदेश पदाधिकारियों से कहा कि जिन जिलों में संगठन के पद खाली हैं, वहां ऊर्जावान और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाए।

लखनऊ में बनेगा प्रदेश मुख्यालय

प्रदेश प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह ने बैठक में बताया कि उद्धव ठाकरे के निर्देश पर लखनऊ में शिवसेना यूबीटी का बड़ा प्रदेश मुख्यालय बनाने की तैयारी है। इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की मुंबई में राष्ट्रीय प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ बैठक कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। पार्टी नेताओं ने कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में शिवसेना यूबीटी का संगठनात्मक ढांचा और मजबूत किया जाएगा।

जिलों और मंडलों में जिम्मेदारियां तय करने के साथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर रहेगा। पार्टी का कहना है कि संगठन विस्तार के जरिए आगामी विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की तैयारी की जाएगी।

अयोध्या और लखनऊ में कार्यक्रम का प्रस्ताव

बैठक में उद्धव ठाकरे के अयोध्या में रामलला के दर्शन और लखनऊ में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक का कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया। पार्टी नेताओं के मुताबिक, इन गतिविधियों के जरिए प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों को मजबूत करने की योजना है।

बाराबंकी में 15 फीट गहरे गड्ढे में डूबे तीन बच्चे

बाराबंकी। बाराबंकी के कुर्सी थाना क्षेत्र के बैना गांव में एक निर्माणाधीन पोल्ट्री फार्म परिसर में खोदा गया गहरा गड्ढा तीन परिवारों के लिए मौत का कारण बन गया। रविवार शाम बारिश के पानी से भरे इस गड्ढे में डूबने से तीन बालकों की मौत हो गई। मृतकों में 13 साल का देवा, 10 साल का सुमित और 15 साल का दिव्यांश शामिल हैं।

हादसे के बाद गांव में मातम छा गया। सोमवार दोपहर 3 बजे पोस्टमार्टम के बाद तीनों के शव गांव पहुंचे तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सुमित के पिता शंकर ने बताया कि सुमित कक्षा 10 में पढ़ने वाला एक होशियार छात्र था। परिजनों का आरोप है कि पोल्ट्री फार्म परिसर में खोदे गए गड्ढे 15 फीट से भी ज्यादा गहरे थे। बारिश के बाद इनमें पानी भर गया था। परिवार का दावा है कि मौके के लेखपाल और संबंधित अधिकारियों को इस गहरी खुदाई की जानकारी थी।

सांप के डसने से बच्ची की मौत

पिता के साथ धान के खेत जा रही थी, लखनऊ केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र इलाके के भीटा महासिंह गांव में 21 सितंबर सोमवार दोपहर 1 बजे सांप के डसने से सात साल की बच्ची कामिनी की मौत हो गई। कामिनी ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ा। बच्ची की मौत के बाद परिवार और गांव में दुख का माहौल है।

यह घटना 19 सितंबर शनिवार दोपहर की है। कामिनी अपने पिता जगरूप के साथ धान के खेत जा रही थी। रास्ते में खेत की मेड़ पर एक सांप बैठा था। कामिनी का पैर गलती से सांप पर पड़ गया, जिसके बाद सांप ने उसे डस लिया। घटना के बाद पिता जगरूप तुरंत कामिनी को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

वहां बच्ची को प्राथमिक उपचार दिया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के केजीएम मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

परिजन कामिनी को लेकर लखनऊ पहुंचे, जहां उसका इलाज शुरू हुआ। परिजनों के मुताबिक, करीब 24 घंटे इलाज चलने के बाद सोमवार को कामिनी की मौत हो गई।

कामिनी भीटा महासिंह के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा थी।

परिजनों ने बताया कि वह पढ़ाई में अच्छी थी और परिवार में सबसे छोटी थी।

कामिनी की मौत से माता-पिता और भाई-बहनों का बुरा हाल है। जगरूप के कुल छह बच्चे हैं, जिनमें चार बेटियां और दो बेटे शामिल हैं।

कामिनी सबसे छोटी बेटी थी। ग्रामीणों ने बताया कि बच्ची पढ़ाई में रुचि रखती थी और सभी के साथ घुल-मिलकर रहती थी। फिलहाल कामिनी का पोस्टमार्टम लखनऊ में कराया जा रहा है।

पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को हरदोई के भीटा महासिंह गांव लाया जाएगा। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मिलकर बच्ची का अंतिम संस्कार करेंगे।

ग्राम पंचायत भीटा महासिंह के प्रधान सुनील पाल ने बताया कि कामिनी की मौत की खबर सुनकर गांव में शोक का माहौल है।

ग्रामीणों ने परिवार के प्रति संवेदना जताई है।

सम्पादकीय

फूहड़ राजनीति

भारतीय राजनीति किस तरह फूहड़ होती जा रही है, इसका ताजा प्रमाण है इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में राहुल गांधी की ओर से मंच पर एक कॉमेडियन को बुलाकर प्रधानमंत्री का उपहास उड़ाना। इस दौरान प्रधानमंत्री की ओर से एक जनसभा में एक बुजुर्ग महिला को कुर्सी उपलब्ध कराने के प्रसंग का जिस तरह जिक्र किया गया, उसे मूर्खता और संवेदनहीनता के अतिरिक्त और कुछ कहना कठिन है।

आखिर एक सहज मानवीय व्यवहार का मजाक बनाने का क्या औचित्य? ऐसा तो कोई छिछली सोच वाला व्यक्ति ही कर सकता है। यह आश्चर्यजनक है कि छात्रों को संबोधित करते समय राहुल गांधी को अपने मंच पर एक कॉमेडियन के भोंडे कृत्य का सहारा लेना पड़ा। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि इस भोंडेपन में उन्होंने भी हिस्सेदारी की।

आखिर ऐसा करके वे छात्रों और युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं? ऐसा तो है नहीं कि छात्र यही देखना-सुनना चाहते हैं? यह सही है कि राजनीतिक दल एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना करते हुए उन पर कटाक्ष भी करते हैं, लेकिन इसकी भी अपनी एक सीमा और मर्यादा होती है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक जीवन और राजनीति की एक भाषा भी होती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी प्रायः ही राजनीतिक मर्यादा और सामान्य शिष्टाचार की अनदेखी करना पसंद करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब उनके मंच से अथवा उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अमर्यादित भाषा का उपयोग किया गया हो। वे रह-रहकर ऐसा करते ही रहते हैं। इस क्रम में वे प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक वाली भाषा का इस्तेमाल करने में भी संकोच नहीं करते।भले ही इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम में जो फूहड़ता हुई, उसका कांग्रेस नेता बचाव करने में जुट गए हैं, लेकिन उन्हें यह आभास होना चाहिए कि आम जनता इस तरह की फूहड़ता कभी पसंद नहीं करती। राहुल गांधी को इसका भी आभास होना चाहिए कि जब उनके द्वारा प्रधानमंत्री के प्रति अशालीनता का प्रदर्शन किया जाता है तो पार्टी के अन्य छोटे-बड़े नेता और अधिक खराब भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। इन दिनों कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया टीम की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति लगातार ऐसी सामग्री शेयर की जा रही है, जिसे रुचिपूर्ण नहीं कहा जा सकता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब किसी दल के शीर्ष और प्रभावी नेता को राजनीतिक शालीनता का परिचय देना चाहिए, तब वह स्वयं अपने समर्थकों को अशालीन भाषा का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रहा है। स्पष्ट है कि वे जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं उन्हें भी उसी भाषा में जवाब देने का सिलसिला कायम होगा। इससे राजनीति और अधिक अरुचिपूर्ण और अप्रिय रूप में ही सामने आएगी।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

> हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है।

- ललित गर्ग

सपा की रणनीति में ...

राजेश श्रीवास्तव

पीडीए के नये-नये नामों से भ्रम खत्म अपने मूल वोट बैंक पर लौटी सपा

कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति अपने मूल चरित्र को बदल कर दिखाने की कोशिश करता है तो जल्दी ही उसका खुलासा हो ही जाता है। इन दिनों यह बात सही साबित होती दिख रही है उत्तर प्रदेश के विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी समाजवादी पार्टी में। अखिलेश यादव जो लंबे समय से बार-बार पीडीए का मतलब बदल रहे थे, वह अब अपने मूल चरित्र (एम-वाई) समीकरण पर ही लौट आये हैं। समाजवादी पार्टी के इसी वोट बैंक के आधार पर पीडीए (पिछड़ा-दलित और अल्पसंख्यक) बनाया था। मतलब एमवाई समीकरण में केवल दलितों को जोड़ने के लिए (बसपा के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए) पीडीए नाम रख दिया था लेकिन उन्हें लगा कि सिर्फ पीडीए के सहारे उत्तर प्रदेश की जंग नहीं जीती जा सकती तो उन्होंने बार-बार पीडीए का मतलब बदला। कभी पी से पिछड़ा, कभी पी से पंडित, इसी तरह से कई बार मायने बदलने का ऐलान हुआ। मतलब हर वर्ग को गुमराह करने की कोशिश लेकिन इस पूरी कवायद पर अखिलेश यादव के रथ ने ही खुद विराम लगा दिया है।

अखिलेश यादव हर बार समाजवादी रथ लेकर चुनाव प्रचार पर निकलते हैं। इस बार जो रथ सामने आया है उस पर साफ लिखा

है 'पीडीए - पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (मुस्लिम)'। मतलब अब गुमराह होने की जरूरत नहीं। अखिलेश ने साफ कर दिया है कि उनके लिए सिर्फ यहीं तीन लोग महत्वपूर्ण हैं। न अगड़ा, न पंडित, न अन्य वर्ग। पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक। अखिलेश ने 2०23 में यह फॉर्मूला दिया था। मकसद था- यादव और मुस्लिम वोटबैंक के साथ-साथ पिछड़ी जातियों और दलितों को जोड़ना ताकि भाजपा के 'सवर्ण, गैर-यादव ओबीसी' गठजोड़ को तोड़ा जा सके। 2०22 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को 4०3 सीटों में से 111 सीटें मिलीं। वोट शेयर 32.1% रहा, जबकि भाजपा को 41.3% वोट मिले। यानी सीटों में बड़ा अंतर था। 2०24 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर बदली। समाजवादी पार्टी ने 8० में से 37 सीटें जीतीं। कांग्रेस के साथ गठबंधन में सपा ने 62 सीटों पर चुनाव लड़ा और 37 जीतीं। भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। 2०24 में सपा को 3.81 करोड़ से ज्यादा वोट मिले, भाजपा को करीब 3.83 करोड़ वोट मिले। यह अंतर सिर्फ 1.4 लाख का था। इस प्रदर्शन ने सपा को भरोसा दिया कि पीडीए फॉर्मूला काम कर रहा है। 2०24 में सपा ने मुस्लिम-यादव वोटबैंक में कुर्मी, पाल और दलितों को जोड़कर पीडीए को मजबूत किया।

उत्तर प्रदेश में दलित आबादी करीब 21% है।4०3 विधानसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। दलित वोट सिर्फ आरक्षित सीटों तक सीमित नहीं है। 12० से ज्यादा सीटों पर दलित मतदाता हार-जीत तय करते हैं. सीधा असर 14०-15० सीटों पर पड़ता है। 2०22 में भाजपा और उसके सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) ने 84 में से 63 आरक्षित सीटें जीती थीं जबकि सपा गठबंधन को सिर्फ 2० सीटें मिलीं। यही वजह है कि अखिलेश दलित वोट को तोड़ने की कोशिश में जुटे हैं। सपा का वोटबैंक यादव और मुस्लिम तक सिमटा हुआ था। पिछड़ी जातियों और दलितों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जा रहा था, पीडीए का मकसद इसी गैप को भरना है।

फरवरी 2०24 के एक सर्वे के मुताबिक, 49% पिछड़ों ने कहा कि वे पीडीए पर भरोसा करते हैं। दलितों में यह आंकड़ा सिर्फ 16% था और अल्पसंख्यकों में 21%। यानी दलित और अल्पसंख्यक वोटरों का भरोसा अभी भी कम है। पीडीए फॉर्मूले ने 2०24 लोकसभा चुनाव में सपा को सबसे बड़ी ताकत बना दिया। अखिलेश की रणनीति साफ है कि गैर-यादव पिछड़ी जातियों (कुर्मी, पाल, निषाद, राजभर, मौर्य, कश्यप आदि) और दलितों को साथ लाकर भाजपा के 'सवर्ण, गैर-यादव ओबीसी' गठजोड़ को तोड़ा जाए। साथ ही मुस्लिम वोट को एकजुट रखना भी है।

सपा की रणनीति में एक और बदलाव है- 'पीडीए-2.०.' इसके तहत सामान्य सीटों पर भी 1०० से ज्यादा दलित उम्मीदवार उतारने की तैयारी है। यह दलित वोटरों को यह संदेश देने की कोशिश है कि सपा सिर्फ पीडीए की बात नहीं करती बल्कि दलितों को टिकट भी देती है। 2०22 में दलित वोट का बड़ा हिस्सा भाजपा के पास गया था।

पूर्वांचल में खाद्य...

सरिता वर्मा

उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रही खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों से बदल रही है जिलों की औद्योगिक तस्वीर

उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे बड़े कृषि उत्पादक राज्यों में शामिल होने के साथ-साथ कृषि आधारित उद्योगों के लिए भी तेजी से आकर्षक निवेश गंतव्य बन रहा है। विशाल कृषि आधार, बड़ी उपभोक्ता आबादी, बेहतर होती कनेक्टिविटी और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। खेतों से निकलने वाले कृषि उत्पादों को सीधे बाजार तक पहुंचाने के बजाय उनमें वैल्यू एडिशन कर रोजगार, आय और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 40 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किया गया है, जो इस क्षेत्र में बढ़ते निवेश को प्रदेर्शित करते हैं। इन परियोजनाओं में पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। खाद्य प्रसंस्करण का औद्योगिक विस्तार अब केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के जिलों में भी नए औद्योगिक केंद्र तेजी से विकसित हो रहे हैं। पूर्वांचल में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में 10 परियोजनाएं प्रयागराज, अमेठी, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, बाराबंकी और देवरिया जैसे जिलों में औद्योगिक गतिविधियों को नई दिशा दे रही हैं। इन परियोजनाओं के जरिए न केवल बड़े निवेश प्रदेश के अपेक्षाकृत नए औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर कृषि, विनिर्माण, परिवहन, भंडारण और रोजगार के बीच एक मजबूत आर्थिक कड़ी भी तैयार हो रही है। पूर्वांचल में प्रमुख निवेशकों की मौजूदगी इस बदलाव को और महत्वपूर्ण बनाती है। वरुण बेवरेजेस की प्रयागराज, अमेठी और गोरखपुर क्षेत्र में परियोजनाएं पेय पदार्थ निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश के पूर्वी हिस्से की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाती हैं। बड़े ब्रांडों के निवेश से स्थानीय स्तर पर उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ कच्चे माल की आपूर्ति, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और वितरण जैसी सहायक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। गोरखपुर में सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स की परियोजना डेयरी आधारित उद्योगों की संभावनाओं को मजबूती दे रही है। इसी तरह वाराणसी में बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन यानी अमूल की डेयरी परियोजना इस बात का उदाहरण है कि पूर्वांचल में संगठित डेयरी उद्योग का विस्तार किस तरह स्थानीय कृषि अर्थव्यवस्था को बाजार से जोड़ रहा है। रसिक रिफ्रेशमेंट और फॉरएवर डिस्टिलरी जैसी कंपनियों की परियोजनाएं भी पूर्वांचल में खाद्य और पेय पदार्थ से जुड़े विनिर्माण आधार को व्यापक बना रही हैं। मध्यांचल भी खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के तेजी से उभरते केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस क्षेत्र में 12 परियोजनाओं को एलओसी जारी किया गया है। हरदोई विशेष रूप से फूड प्रोसेसिंग के नए हब के रूप में उभर रहा है, जहां वरुण बेवरेजेस, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसे बड़े ब्रांडों की परियोजनाएं स्थापित हो रही हैं।

इसे कहते हैं सदाबहार

सदाबहार का अर्थ हैं की हर परिस्थिति में हम सम्भाव में रहे और भितर से प्रसन्न व आत्मविश्वास से रहे । सदाबहार हों गये तो मानो हमने जीवन को जीना कैसे हैं ? वो सिख लिया । बड़ा कठिन , हिम्मत व मनोबल आदि का काम हैं सदाबहार होना या लोहे के चने जिसने चबा लियें मानो वो मानव सदाबहार हों गया है । सदाबहार मानव के लियें कोई यह भी बोल देता हैं की यह ऐसे ही हैं इसकी बात का क्या महत्व हैं आदि -आदि । सदाबहार का हम एक अर्थ यह भी लें सकते हैं की यह पहले जैसा था वैसा ही आज हैं या इसका अन्दाज़ जों पहले था वो ही आज है और इसके भितर में कोई पाप नहीं हैं।भितर में बिना गाँठ वाले व्यक्ति सदाबहार होते हैं । मैं मेरे जीवन की सदाबहार के ऊपर एक घटना रख रहा हुँ । मेरा मुनि श्री के सानिध्य में स्वाध्याय का क्रम चलता था तो स्वाध्याय के साथ में मैं मुनि श्री से ख़ूब किसी विषय के तर्क करके अपनी बात की पुरी तरह सन्तुष्टि करता था । एक दिन मेरा प्रसन्न रहने का स्वाध्याय का मुनिवर से क्रम चल रहा था । मैंने बीच में ही मुनिवर को कहा की मेरे मन मैं एक जिज्ञासा आयी है तो मुनिवर ने तुरन्त कहो बिना संकोच अपनी बात रखो तो मैंने कहा की इसको मैं मेरे पर लेते हुए पूछ रहा हूँ की अगर मुझे सदाबहार इन्सान होना है तो मैं कैसे बनूँ ? तो मूनिवर ने तत्काल कहा की कौनसा कठिन काम है आसानी से हो जायेगा ? मैंने कहा कैसे आसानी से मैं समझा नहीं ? तो मुनिवर ने कहा की अभी से ही तुम अपने जीवन का एक नियम कर लो की तुम्हारी कथनी व करनी में कभी फ़र्क़ नहीं आयेगा और तूम अपने भितर कोई गाँठ किसी के प्रति नहीं रखोगे । तो मैंने कहा मुनिवर हम तो संसारी जीव है बिना गाँठ और बोलने करने के फ़र्क़ के हमारा जीवन नहीं चल सकता हैं आप तो पाँच महाव्रत धारी हो संसार छोड़ कर परम सूख को प्राप्त करने को प्रयत्नशील हों आदि - आदि इसलिये आप इसको बोल रहे हो की यह कितना आसान हैं । मुनिवर ने कहा की तूमने अच्छी जिज्ञासा रखी अब सूनो पूरी बात । जब तक हमारे भितर में राग - द्वेष , हिंसा , झूठ आदि हैं तब तक हम ख़ुश नहीं रह सकते यह सत्य हैं की तुम संसारी जीव हों यह इतना आसान नहीं हैं परन्तू अपने जीवन का तुम एक सिद्धान्त कर लो की होती कोशिश अपनी बात , काम व तरीक़े आदि सभी में ईमानदारी का मैं पूर्ण पालन करूँगा और प्रमाणिक रहूँगा ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

उत्पादन में हुई ...

डॉ सीमा गुप्ता

आधुनिक तकनीक से संवरती माटीकला से जनपद मेरठ के शिल्पकारों को मिला आर्थिक स्वावलंबन

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पारंपरिक हस्तशिल्प के संरक्षण और ग्रामीण शिल्पकारों के समग्र उत्थान के लिए संचालित योजनाएं धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के तत्वावधान में गठित उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड पारंपरिक विधा को आधुनिक तकनीक से जोड़कर माटी शिल्पकारों के जीवन स्तर में आमूलचूल बदलाव ला रहा है। माटी से जीवन गढ़ने वाले पारंपरिक कारीगरों को तकनीकी और वित्तीय संबल प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

राज्य सरकार की इन कल्याणकारी नीतियों का प्रत्यक्ष और व्यापक प्रभाव जनपद मेरठ में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत जनपद मेरठ के कुम्हारों को उपलब्ध कराए गए आधुनिक विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक चाक) ने उनके पारंपरिक हुनर को नई गति दी है। श्रम-साध्य पारंपरिक प्रक्रिया के स्थान पर आधुनिक तकनीक के उपयोग से न केवल समय और ऊर्जा की बचत हो रही है, बल्कि उत्पादन क्षमता और शिल्पकारों की नियमित आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 से प्रभावी इस योजना के अंतर्गत जनपद मेरठ में अब तक 210 से अधिक पात्र कुम्हारों को आधुनिक विद्युत चालित चाक निःशुल्क वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 13 हजार से 15 हजार रुपये प्रति इकाई मूल्य वाले ये उपकरण गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले और आर्थिक रूप से विपन्न परिवारों को शत-प्रति-शत सरकारी सहायता पर उपलब्ध कराए जाते हैं। चालू वित्तीय वर्ष में भी जिला प्रशासन द्वारा जनपद में 40 नए पात्र कारीगरों को इस योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पारंपरिक रूप से भारी पत्थर अथवा लकड़ी के चाक को हाथ से घुमाकर बर्तन और दीये बनाने की प्रक्रिया अत्यंत सीमित उत्पादन तक सिमटी हुई थी। पारंपरिक व्यवस्था में एक शिल्पकार निर्धारित समयावधि में मुश्किल से 50 से 60 दीये ही तैयार कर पाता था। इसके विपरीत, आधुनिक विद्युत चालित चाक की सहायता से उतने ही समय में 300 से 400 तक उच्च गुणवत्ता वाले डिजाइनर दीये तैयार किए जा रहे हैं। इस तकनीकी परिवर्तन से कारीगरों की उत्पादन क्षमता में सीधे तौर पर छह से सात गुना का इजाफा हुआ है। जनपद मेरठ के गढ़ रोड क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में कार्यरत शिल्पकारों की कार्यशैली में इस तकनीक से क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। त्योहारी सीजन और दीपावली के दृष्टिगत स्थानीय कारीगरों को अग्रिम रूप से लाखों दीयों के बड़े व्यावसायिक ऑर्डर प्राप्त हो रहे हैं। आधुनिक चाक के तीव्र और सुगम संचालन के कारण दक्ष कारीगर अब प्रति घंटे 700 दीयों तक का निर्माण करने में सक्षम हैं। थोक ऑर्डरों की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित होने से बाजार में स्थानीय शिल्पकारों की साख और मांग दोनों में निरंतर विस्तार हो रहा है।

उत्पादन में हुई इस तीव्र वृद्धि और बदलते बाजार के अनुकूल डिजाइनर दीयों, टेराकोटा उत्पादों व घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग के कारण कुम्हार परिवारों की आय में औसतन पांच गुना तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। प्लास्टिक और थर्माकोल के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ने से मिट्टी से बने बर्तनों और सजावटी उत्पादों की मांग शहरी व ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ी है। आय में इस वृद्धि ने शिल्पकार परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

इलेक्ट्रिक चाक के आगमन से शिल्पकारों की सेहत और कार्यदशाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। पूर्व में पारंपरिक चाक को शारीरिक श्रम से निरंतर गतिमान रखने के कारण कारीगरों को पीठ, कंधे और सीने में गंभीर दर्द जैसी स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना करना पड़ता था। शारीरिक थकावट के चलते वे सीमित समय ही काम कर पाते थे। आधुनिक मोटरयुक्त चाक ने इस भारी शारीरिक तनाव को पूरी तरह दूर कर दिया है। अब परिवार के सभी सदस्य बिना किसी शारीरिक कष्ट के दिन में 10 से 12 घंटे तक सरलता से कार्य कर रहे हैं, जिससे पारिवारिक श्रम का समुचित सदुपयोग हो रहा है।

प्रदेश सरकार द्वारा क्रियान्वित यह योजना किसी विशिष्ट वर्ग तक सीमित न होकर पूर्णतः समावेशी है। माटीकला के व्यवसाय में रुचि रखने वाला और इस क्षेत्र में कार्य करने का इच्छुक किसी भी समुदाय का नागरिक नियमानुसार योजना का लाभ प्राप्त कर सकता है।

योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन और वास्तविक पात्रों के चयन हेतु जिला प्रशासन द्वारा त्रिस्तरीय प्रक्रिया का पालन किया जाता है। विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन के पश्चात राजस्व विभाग द्वारा तहसील स्तर पर आवेदक का स्थलीय भौतिक सत्यापन किया जाता है। सत्यापन उपरांत उपकरण वितरण से पूर्व चयनित अभ्यर्थियों के लिए मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र पर तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है, ताकि शिल्पकार आधुनिक चाक और उपकरणों के कुशल व सुरक्षित संचालन में दक्ष हो सकें।

शिल्पकारों को कच्चे माल की सुलभ और निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए भी प्रदेश सरकार ने ठोस नीतिगत व्यवस्था की है। माटीकला बोर्ड और राजस्व विभाग के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित तालाबों और उपयुक्त सरकारी भूखंडों से निःशुल्क मिट्टी खनन हेतु पात्र कुम्हारों को पट्टा आवंटन की पारदर्शी नीति लागू की गई है। इस नीतिगत निर्णय से कारीगरों को मिट्टी जुटाने के लिए होने वाली अनावश्यक भागदौड़ और आर्थिक व्यय से स्थायी मुक्ति मिली है। व्यक्तिगत कारीगरों को स्वावलंबी उद्यमी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार 'मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना' का भी प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। इस योजना के अंतर्गत माटीकला और टेराकोटा उद्योग की स्थापना हेतु बैंकों के माध्यम से 10 लाख रुपये तक का वित्तीय ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस ऋण पर सरकार की ओर से 25 प्रतिशत तक पूंजीगत उपादान (सब्सिडी) प्रदान किया जाता है, जबकि लाभार्थी को परियोजना लागत का मात्र 5 प्रतिशत अंशदान ही वहन करना होता है। विद्युत चालित चाक के अतिरिक्त शिल्पकारों को मिट्टी तैयार करने के श्रम-साध्य कार्य से राहत दिलाने के लिए विभाग द्वारा पगमिल मशीनें और पर्यावरण-अनुकूल उन्नत भट्ठियां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। पगमिल के प्रयोग से मिट्टी की गूंथाई कम समय में अत्यंत सुगमता और एकरूपता के साथ होती है, जिससे बर्तनों की बनावट व फिनिशिंग उत्कृष्ट बनती है।

स्कूल में 26 साल की महिला टीचर की हत्या

युवक क्लास में घुसा, खींचकर बाहर लाया, 3 गोली मारी, फिर सुसाइड किया, लखीमपुर में वारदात

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। यूपी के लखीमपुर में स्कूल में घुसकर महिला टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने भी सुसाइड कर लिया। मामला कलेक्ट्रेट के ठीक सामने स्थित चिल्ड्रेन्स एकेडमी स्कूल का है। वारदात के समय स्कूल में बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। सोमवार सुबह 11.30 बजे महिला टीचर निशात फातिमा (26) स्कूल की दूसरी मंजिल पर क्लास में बच्चों को पढ़ा रही थीं। तभी हमलावर सऊद अंसारी (28) असलहा लेकर पहुंचा। फातिमा का हाथ पकड़कर बाहर बरामदे में ले आया। फिर बहस करने लगा। कहासुनी के बीच सऊद ने अचानक असलहा निकाला और फातिमा पर ताबड़तोड़ फायर कर दिए। वह फर्श पर गिर गई।

इन 3 सवालों के जवाब तलाश रही पुलिस

1. पुलिस पता लगा रही है कि क्या निशात फातिमा और सऊद अंसारी एक-दूसरे को पहले से जानते थे या उनके बीच कोई रिश्ता था? परिवारिक विवाद और एकतरफा प्यार वाले एंगल पर पुलिस अपनी जांच आगे बढ़ा रही है।
2. चौंकाने वाली बात यह है कि कलेक्ट्रेट के सामने होने के बाद भी स्कूल की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हो गई। पुलिस पता लगा रही है कि आरोपी सीधे दूसरी मंजिल की क्लास तक कैसे पहुंच गया?
3. स्कूल में सुरक्षा गार्ड की तैनाती रहती है। ऐसे में आरोपी के क्लास तक पहुंचने से सवाल उठ रहे हैं कि क्या आरोपी अक्सर टीचर से मिलने आता था। गार्ड ने उसकी तलाशी क्यों नहीं ली?

बैग में तमंचा छिपाकर घुसा आरोपी, बातचीत के दौरान गोली मारी

शाहपुरा कोठी इलाके में 2 मंजिला बिल्डिंग में चिल्ड्रेन्स एकेडमी नाम से स्कूल चलता है। प्राइवेट स्कूल में नर्सरी से लेकर 8वीं कक्षा तक के बच्चे पढ़ते हैं।

एसपी ख्याति गर्ग ने बताया कि हिदायत नगर निवासी निशात फातिमा पिछले एक साल से इस स्कूल में पढ़ा रही थीं। तभी उनसे मिलने नौरंगाबाद निवासी साउद अंसारी स्कूल पहुंचा। वह सीढ़ियों के रास्ते से सीधे ऊपर कॉरिडोर गया।

उन्होंने बताया कि सऊद ने निशात को बाहर बुलाया। मना करने पर हाथ पकड़कर उसे बाहर ले आया।

यहां दोनों जोर-जोर बात करने लगे। आवाज सुनकर स्कूल पास की क्लास में पढ़ा रहे टीचर बाहर निकल आए।

तभी सऊद ने अपने बैग से तमंचा निकालकर निशान पी गोली चला दी। फिर उसी तमंचे से सुसाइड कर लिया। दोनों की मौत हो गई।

- स्कूल की दूसरी मंजिल पर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है।
- पुलिस ने बच्चों को परिजनों के साथ घर भेजा। स्टाफ से पूछताछ शुरू की।
- वारदात के बाद स्कूली बच्चों को कक्षाओं से बाहर लाकर ग्राउंड में इकट्ठा किया गया। परिजनों को सूचना दी गई।

“स्कूल प्रबंधन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरी बिल्डिंग को खाली कराया। परिजनों को बुलाकार बच्चों को घर भेज दिया। फिलहाल स्कूल में भारी पुलिस बल तैनात है। किसी को अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर सबूत जुटा रही है। एसपी ख्याति गर्ग, एएसपी पवन गौतम और सीओ सिटी विवेक तिवारी मौके पर पहुंचे।

छोटी घटनाएं बड़ी न बनें, डीएम-एसपी रखें नजरः मुख्यमंत्री

छोटी-छोटी घटनाओं में उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगीः योगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा बनाना चाहते हैं। ऐसे में जनपदों में हर छोटी से छोटी घटना पर जिलाधिकारी व एसपी स्वयं नजर रखें। तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई कर मामलों का पटाक्षेप कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि छोटी-छोटी घटनाओं में भी उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर पीड़ित से मिले सीएम, समयबद्ध निस्तारण का दिया निर्देश

मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित से मिले। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पुलिस, राजस्व, विद्युत आदि से जुड़ी शिकायतों का प्रार्थना पत्र लेते हुए कहा कि सरकार साढ़े 9 वर्ष से बिना भेदभाव हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान करा रही है। अधिकारी संवेदनशील होकर जनशिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं, मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराएं और भूमाफिया/दबंगों पर कठोरतम कार्रवाई करें। सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष पुलिस व राजस्व से जुड़ीं शिकायतें अधिक रहीं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से जनसमस्याओं का जनपदों में निराकरण कराएं। यदि किसी मातहत द्वारा लापरवाही की शिकायत मिले तो उस पर भी कार्रवाई करें।

फास्ट न्यूज

कौशांबी में समूह सखियों का प्रदर्शन

कौशांबी। कौशांबी में सोमवार दोपहर 3 बजे समूह सखियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा।

समूह सखियों ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने, समूहों के संचालन, समूह सखियों ने कहा कि जिम्मेदारियां अधिक होने के बावजूद उन्हें फिलहाल 2 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है।

पूर्व सांसद मोहन सिंह की 13वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

देवरिया। समाजवादी चिंतक, विचारक और पूर्व सांसद मोहन सिंह की 13वीं पुण्यतिथि पर 22 सितंबर को श्रद्धांजलि सभा होगी। यह सभा देवरिया के बरहज स्थित बीआरडी-बीडी पीजी कॉलेज में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, विधायक और पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव इस सभा के मुख्य अतिथि होंगे। वह सड़क मार्ग से बरहज पहुंचेंगे। यह जानकारी मोहन सिंह की बेटी और पूर्व राज्यसभा सांसद कनक लता सिंह ने सोमवार को सपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान दी।

व्यापार मंडल ने 15 अक्टूबर से प्रस्तावित यूपीआई एमडीआर पर

गाजीपुर8। गाजीपुर में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने 15 अक्टूबर 2026 से प्रस्तावित UPI मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) पर आपत्ति जताई है। सोमवार दोपहर 12 बजे रायफल क्लब में हुई बैठक में छोटे और फुटकर कारोबारियों पर इसके संभावित आर्थिक असर पर चर्चा की गई। बैठक के बाद प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस व्यवस्था पर फिर से विचार करने की मांग की गई।

योगी सरकार में हर माह परखी जाएगी स्कूलों की गुणवत्ता

हर माह चतुर्थ शनिवार को होगी बीईओ-प्रधानाध्यापक बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था में कक्षा-कक्ष की गुणवत्ता से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन और विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग तक नियमित निगरानी को मजबूत किया जाएगा। इसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी प्रत्येक माह के चतुर्थ शनिवार को प्रधानाध्यापकों के साथ मासिक समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में निपुण भारत मिशन, प्री-प्राइमरी शिक्षा, डिजिटल संसाधन, पीएम पोषण, ऑपरेशन कायाकल्प, बालिका शिक्षा, समावेशी शिक्षा, नामांकन-उपस्थिति और वित्तीय प्रगति समेत विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की जाएगी। इस मासिक समीक्षा व्यवस्था के माध्यम से कक्षा-कक्ष की गुणवत्ता, विद्यार्थियों के अधिगम, डिजिटल संसाधनों, नामांकन-उपस्थिति, विद्यालयी सुविधाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन को एक नियमित समीक्षा तंत्र से जोड़ा जाएगा।

निपुण लक्ष्य से अधिगम अंतर तक होगी समीक्षा

बैठक में निपुण भारत मिशन एवं गुणवत्ता शिक्षा संवर्धन को प्रमुखता दी जाएगी। शैक्षिक कैलेंडर एवं मासिक पाठ्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति, कक्षा संचालन, निपुण लक्ष्य एवं आईसीटी शिक्षण सामग्री के प्रदर्शन तथा संदर्शिका-टीएलएम के प्रभावी उपयोग की समीक्षा होगी। विद्यार्थियों के अधिगम अंतर को कम करने के लिए कैच-अप शिक्षण, पढ़ने की संस्कृति विकसित करने और पुस्तकालय में पुस्तकों के उपयोग को भी परखा जाएगा।

प्रयागराज कोर्ट में बयान दर्ज, आते वक्त पीछे-पीछे चल रही भाई की गाड़ी को रोका

अतीक के बेटे अली को लेकर पुलिस झांसी जेल हुई रवाना

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को रंगदारी मामले में सोमवार को प्रयागराज कोर्ट में पेश किया गया। उसने बयान दर्ज कराया और करीब 2 घंटे कोर्ट में रहा। बाहर निकलने पर मीडिया कर्मियों ने उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन पुलिसवालों ने नहीं करने दी। पुलिस ने अली को सीधे वैन में बैठाया और पर्दे डाल दिए। इसके बाद 3 गाड़ियों के काफिले के साथ 35 पुलिसकर्मी उसे झांसी लेकर रवाना हो गए। कासगंज जेल में बंद आसाद कालिया को भी इसी मामले में पेश किया गया। उसने भी बयान दर्ज कराया। दोनों की पेशी को देखते हुए एडीजे कोर्ट के अंदर-बाहर 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। अली को प्रयागराज लाते समय उसका भाई अहजम भी काफिले के पीछे कार से चल रहा था। पता चलने पर कौशांबी में पुलिस ने अहजम की कार रोककर जांच की। पूछताछ में अहजम ने बताया कि अली को जेल से लाए जाने की जानकारी मिली थी, इसलिए वह काफिले के पीछे चल रहा था। पुलिस ने उसे आगे साथ चलने से मना कर दिया। रंगदारी का मामला 3 साल पुराना है। प्रयागराज के एक किसान ने अली समेत 5 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। आरोप है कि अली के कहने पर उसके गुर्गों ने 30 लाख रुपए रंगदारी मांगी, जबरन सादे स्टांप पेपर पर साइन कराया और मारपीट की। इससे पहले 8 अगस्त को अली को छोटे भाई अबान के सुपुर्द-ए-खाक में शामिल होने के लिए प्रयागराज लाया गया था। हाईकोर्ट ने अली और उसके भाई उमर को पैरोल दी थी। अबान 6 अगस्त को अली से मिलने जा रहा था। झांसी में हाईवे पर उसकी कार डिवाइडर से टकरा गई थी।

सफेद टोपी लगाकर प्रयागराज पहुंचा अली

अली सुबह 6 बजे झांसी से प्रयागराज के लिए पेशी पर निकला था। दोपहर साढ़े 12 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट पहुंचा। उसने सफेद टोपी, शर्ट और जींस पहन रखी थी। हाथों में रस्सी बंधी हुई थी। एक हाथ में उसने गमछा लिया था। पुलिस उसे सीधे कोर्ट रूम में ले गई। अली को प्रयागराज लाने की तैयारी इतनी गोपनीय रखी गई थी कि इसकी जानकारी किसी को नहीं हुई।

अली से मिलने के समर्थकों में धक्का-मुक्की

पेशी के बाद पुलिस अली को बाहर लेकर निकली तो कोर्ट के बाहर बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे। वे अली से हाथ मिलाने और बात करने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान समर्थकों में धक्का-मुक्की हो गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद अली को भीड़ से बाहर निकाला। अली को प्रयागराज लाते समय कौशांबी में काफिले के पीछे चल रही अहजम की कार को पुलिस ने रोक लिया।

प्रेम संबंध में रोड़ा बने पति की हत्या, पत्नी ने चचेरे मामा संग रची साजिश

कृष्णानगर पुलिस ने हत्याकांड का किया खुलासा, पत्नी समेत दो गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कृष्णानगर पुलिस ने 13/14 सितंबर की रात हुई रामबाबू मौर्य (32) की हत्या का खुलासा करते हुए उसकी पत्नी पुष्पा मौर्य और नीरज मौर्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, अवैध प्रेम संबंध में बाधक बने पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने अपने रिश्तेदार नीरज के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, रामबाबू मौर्य की गला रेतकर हत्या के मामले में 14 सितंबर को उसके भाई श्याम बाबू मौर्य की तहरीर पर कृष्णानगर थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए डीसीपी दक्षिणी ने चार पुलिस टीमों का गठन किया था। टीमों ने

करीब 180 से 200 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी, मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई।

पूछताछ में पुलिस के मुताबिक, पुष्पा ने बताया कि करीब 12 वर्ष पहले उसका विवाह रामबाबू से हुआ था। कुछ समय से उसके रिश्तेदार नीरज मौर्य से प्रेम संबंध हो गए थे। इसकी जानकारी रामबाबू को होने के बाद पति-पत्नी में विवाद होने लगा और नीरज का घर आना-जाना बंद हो गया। इसके बाद दोनों ने रामबाबू की हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार, साजिश के तहत पहले रामबाबू की मोटरसाइकिल गायब कराई गई और बाद में नीरज ने उसकी बरामदगी कराकर रामबाबू का दोबारा विश्वास हासिल कर लिया। इसके बाद नीरज का घर आना-जाना शुरू हो गया। घटना वाले दिन पुष्पा ने पति को बालाजी दर्शन जाने की बात कहकर घर से बाहर चली गई। आरोप है कि नीरज ने रामबाबू को पार्टी के बहाने कृष्णानगर बुलाया और शराब पिलाने के बाद घरेलू चाकू से उसके गले पर वार कर हत्या कर दी।

पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद नीरज ने मृतक के भाई को गलत सूचना दी और मौके से फरार हो गया। वहीं, पुलिस से बचने के लिए पुष्पा वापस लौटकर परिजनों के साथ मौजूद रही। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तार नीरज मौर्य (30) कानपुर नगर के बिठूर क्षेत्र का निवासी है, जबकि पुष्पा मौर्य (30) मृतक की पत्नी है।

जलती चिता पर पतीले में मीट पकाया

शाहजहांपुर में बेटे ने दौड़ाकर पकड़ा, बोले- शराब पीने के बाद खाने का मन हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में 3 युवकों ने जलती चिता पर पतीले में मीट पकाया। यह देखकर मृतक के बेटे ने रिश्तेदारों के साथ एक आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके दो साथी बाइक से भाग गए। पुलिस ने सोमवार को उन दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में तीनों ने नशे में मीट पकाने की बात स्वीकार की। तीनों का चालान कर जेल भेज दिया गया है। आरोपियों की पहचान रामचरन, राजेंद्र और सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। मामला पुवायां थाना क्षेत्र का है।

इसके बाद वीरपाल ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए युवक को थाने ले गई। वीरपाल ने रविवार शाम करीब 6 बजे थाने में शिकायत दी। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि 3 युवक उनके

पिता की जलती चिता पर मीट पका रहे थे। देखने में तीनों तांत्रिक जैसे लग रहे थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों फरार युवकों की तलाश शुरू की। पुवायां थाना पुलिस ने सोमवार सुबह मुखबिर की सूचना पर नत्थापुर तिराहे के पास घेराबंदी की। वहां से दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

अंतिम संस्कार के 1 घंटे बाद चिता देखने पहुंचे

नत्थापुर गांव में रहने वाले छोटेलाल (60) की शनिवार को लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी। रविवार दोपहर घरवाले और रिश्तेदार उनका अंतिम संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचे। मुखाग्नि देने के बाद सभी घर लौट आए। करीब एक घंटे बाद छोटेलाल के बेटे वीरपाल ने चिता देखने जाने की बात कही। उनका कहना था कि अगर कोई लकड़ी चिता से गिर गई हो, तो उसे वापस रख देगा। वीरपाल कुछ रिश्तेदारों के साथ श्मशान घाट पहुंचे, तो वहां 3 युवक उनके पिता की जलती चिता पर मीट पकाते मिले।

“वीरपाल के मुताबिक, मीट एक पतीले में रखा था। उसे चिता की आग पर पकाया जा रहा था। वीरपाल ने रिश्तेदारों के साथ तीनों युवकों को पकड़ने की कोशिश की। एक युवक को तो उन लोगों ने पकड़ लिया, लेकिन दो युवक भाग गए। हालांकि, वीरपाल ने उन्हें पहचान लिया था।

ऐलान : लखनऊ कोर्ट का 8 साल बाद फैसला, 2 साल में रिहा हो सकता है प्रशांत चौधरी

एप्पल मैनेजर हत्याकांड में सिपाही को 10 साल की जेल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चर्चित एप्पल मैनेजर विवेक तिवारी हत्याकांड में सोमवार को जिला कोर्ट ने सजा का ऐलान किया। कोर्ट ने बर्खास्त आरोपी पुलिसकर्मी प्रशांत चौधरी को गैर इरादतन हत्या के मामले में 10 साल की सजा सुनाई है। उस पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। विवेक तिवारी हत्याकांड में दो सिपाहियों प्रशांत चौधरी और संदीप कुमार को आरोपी बनाया गया था। दोनों के खिलाफ लखनऊ की जिला एवं सत्र अदालत में करीब 8 साल तक मुकदमा चला। 17 सितंबर को

कोर्ट ने प्रशांत चौधरी को IPC की धारा 304(2) के तहत गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराया था, जबकि दूसरे आरोपी सिपाही संदीप कुमार को बरी कर दिया था। यह हत्याकांड 28 सितंबर 2018 का है। फैसले से नाराज विवेक तिवारी की पत्नी कल्पना तिवारी और उनके भाई विष्णु सोमवार को कोर्ट नहीं पहुंचे। कल्पना तिवारी की ओर से मुकदमा लड़ रहे अधिवक्ता विजय सिंह परमार ने बताया कि प्रशांत चौधरी करीब 8 साल पहले ही जेल में बिता चुका है।

“रिपोर्ट में कहा गया था कि हत्या किसी साजिश के तहत नहीं की गई थी। वहीं, प्रशांत ने अपने बयान में कहा था कि उसे पिस्तौल चलाने की ट्रेनिंग नहीं मिली थी। 29 सितंबर, 2018 की देर रात विवेक तिवारी अपनी महिला सहकर्मी के साथ कार से लौट रहे थे।

बिना आर्म्स ट्रेनिंग के प्रशांत को दी गई थी पिस्तौल

मामले की मजिस्ट्रियल जांच में प्रशांत चौधरी को मुख्य आरोपी बताया गया था। जांच रिपोर्ट में सामने आया था कि उसे बिना आर्म्स ट्रेनिंग के ही पिस्तौल जारी कर दी गई थी। इसको लेकर भी गंभीर सवाल उठे थे। तत्कालीन अपर नगर मजिस्ट्रेट सलिल कुमार पटेल को 29 सितंबर को हत्याकांड की जांच सौंपी गई थी।

उन्होंने 15 फरवरी को डीएम को 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। इसमें कल्पना, घटना की चश्मदीद सना, दोनों आरोपियों और मौके पर सबसे पहले पहुंचने वाले पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए गए थे।

मोबाइल की किस्त न चुकाने पर युवक को बंधक बनाकर निकलवाया खून, मजदूरी भी कराई

₹25 हजार का इनामी वांछित आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने स्कूटी और मोबाइल बरामद किया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। निगोहां पुलिस ने मोबाइल की किस्त जमा न करने पर युवक को कथित तौर पर बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट करने, जबरन मजदूरी कराने और उसकी इच्छा के विरुद्ध रक्त निकलवाने के मामले में 25 हजार के इनामी वांछित आरोपी शुभम सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त होंडा एक्टिवा-125 और एक रियलमी मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार 14 सितंबर को राजारामखेड़ा, मजरा पुरहिया निवासी जदुराई ने निगोहां थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनके बेटे नेवल किशोर को मोबाइल की किस्त जमा न करने के कारण शुभम सिंह और उसके साथियों ने गांव के बाहर से अपने साथ ले जाकर करीब चार दिन तक

बंधक बनाए रखा। इस दौरान उससे मजदूरी कराई गई और मारपीट करने के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध रक्त निकलवाया गया। आरोप है कि मोबाइल की किस्त के नाम पर उससे ऑनलाइन 2,799 भी जमा कराए गए।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पहले अनिकेत सिंह उर्फ काका और सुशांत शर्मा को 17 सितंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। विवेचना में शुभम सिंह की भूमिका सामने आने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों को लगाया गया। पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह टीवीएस क्रेडिट सर्विसेज लिमिटेड में फील्ड एजेंट के तौर पर काम करता था। सुशांत शर्मा कंपनी में मैनेजर और अनिकेत सिंह वसूली टीम में शामिल था। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने बकाया किस्त की वसूली के दबाव में युवक को सबक सिखाने की योजना बनाई थी। आरोप है कि युवक को समाधान चैरिटेबल ब्लड सेंटर ले जाकर उसकी इच्छा के विरुद्ध एक यूनिट रक्त निकलवाया गया और बाद में उसे बंधक बनाकर चार दिन तक छत का प्लास्टर तुड़वाने का काम कराया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शुभम सिंह (27) निवासी पुराना बर्फखाना, उदयगंज, थाना हुसैनगंज के रूप में हुई है।

कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च , कलेक्ट्रेट घेरा

सरकार के खिलाफ नारेबाजी की, कहा-यूपी में क्राइम और करप्शन की सरकार

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में जनसमस्याओं को लेकर सोमवार को कांग्रेस सड़क पर उतरी। शहर कांग्रेस कमेटी ने एमजी रोड पर पैदल मार्च निकाला। सुभाष पार्क से निकला काफिला कलेक्ट्रेट पहुंचा। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए। कलेक्ट्रेट पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इसके बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने शहर की समस्याओं के साथ गरीब परिवारों को मिले ध्वस्तीकरण नोटिस और पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शहर में जगह-जगह जाम और गड्ढों की समस्या है। सड़कें टूटी हैं। गरीबों को सिंचाई विभाग की ओर से नोटिस दिए जा रहे हैं। सानों को खाद और यूरिया नहीं मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप भी लगाए। महानगर अध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य आगरा शहर की समस्याओं को उठाना है।

उन्होंने बापू नगर में करीब 200 घरों को मिले नोटिस का भी मुद्दा उठाया। बापू नगर में सिंचाई विभाग की ओर से करीब 200 परिवारों को जमीन खाली करने के नोटिस दिए जाने की बात सामने आ चुकी है।

अमित सिंह ने पुलिस कार्रवाई का भी मुद्दा उठाया। उनका आरोप है कि चार दिन पहले पुलिस की पिटाई से एक व्यक्ति की मौत हुई। आरोपियों को पैसे लेकर छोड़ दिया गया, जबकि दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहर की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने गरीब परिवारों को उजाड़ने की कार्रवाई रोकने की मांग की।

कांग्रेस ने चेतावनी दी कि जनसमस्याओं का समाधान नहीं हुआ और गरीबों के खिलाफ कार्रवाई जारी रही तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता वापस लौट गए।

एमजी रोड पर पैदल मार्च, कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन

प्रदेश सचिव और बृज जोन प्रभारी कुणाल चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ता सुभाष पार्क पर जुटे। यहां से पैदल मार्च शुरू हुआ। कार्यकर्ता एमजी रोड से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय को लेकर भी आपत्तिजनक नारा लगाया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

'स्मार्ट सिटी के दावे खोखले'

कुणाल चौधरी ने कहा कि प्रदेश में कर्ज, क्राइम, करप्शन, प्रचार और प्रसार की सरकार चल रही है। आगरा में स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ दावे किए जा रहे हैं। कलेक्ट्रेट के पास की बस्ती में लोगों को पीने का पानी तक नहीं मिल रहा उन्होंने पचकुइयां खेड़ा में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने का आरोप लगाया।

■ जिलाधिकारी ऑफिस के सामने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

बच्चों की अपार आईडी बनवाना जरूरी, बीएसए की हुई अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। बच्चों की शैक्षिक पहचान को डिजिटल रूप देने के लिए अपार आईडी बनवाना जरूरी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने अभिभावकों से विद्यालय से समन्वय कर अपने बच्चों की अपार आईडी जल्द बनवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि अपार आईडी विद्यार्थियों की स्थायी डिजिटल शैक्षिक पहचान होगी। इसमें उनकी शैक्षिक उपलब्धियां, प्रमाणपत्र और अन्य शैक्षिक अभिलेख सुरक्षित रहेंगे। भविष्य में शिक्षण संस्थानों के बीच अभिलेखों के आदान-प्रदान में भी इससे सुविधा मिलेगी। बीएसए ने अभिभावकों से आवश्यक सहमति और विवरण विद्यालय को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है, ताकि बच्चों की अपार आईडी का सृजन समय से कराया जा सके।

फास्ट न्यूज

10वीं के छात्र पर 10-15 युवकों ने किया हमला

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कटघर थाना क्षेत्र के रामपुर दोराहे पर 10वीं के छात्र पर 10 से 15 अज्ञात युवकों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नाजुक हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कटघर थाना क्षेत्र के गांव भैंसिया निवासी फैजल चौधरी (16) पुत्र अतीकुर्रहमान कक्षा 10 में पढ़ता है।

60-65 साल के बुजुर्ग बने छठी क्लास के बच्चे

आगरा। आगरा के राजकीय इंटर कॉलेज में 60-65 साल के पूर्व छात्र छठी क्लास की यूनिफॉर्म में स्कूल लौटे।

सफेद कमीज, काली पैंट और गले में पानी की बोतल लटकाए इन दोस्तों ने अपने बचपन के दिनों को फिर से जीया।

किसी ने स्कूल के गेट से दौड़ते हुए एंट्री की, तो किसी ने क्लास में बैठकर शरारत की।

ये दोस्त रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी, डॉक्टर, अकाउंटेंट और शिक्षक हैं। कॉलेज के इन पूर्व छात्रों ने करीब 7 साल पहले स्कूल लाइफ फिर से जीने के लिए यह वीडियो बनाया था।

मथुरा में युवक की गोली मारकर हत्या

मथुरा। मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम दंगल देखकर लौट रहे युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात मुंडेलिया गांव में मेले के दौरान हुई। युवक को 3 गोलियां मारी गईं। इनमें 2 गोली छाती और एक चेहरे पर लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलते ही मेले में भगदड़ मच गई। आरोपी युवक की प्रेमिका के पति पर हत्या का आरोप है।

काशी टोल प्लाजा पर नितिन नबीन का भव्य स्वागत, सोमेंद्र तोमर से आत्मीय मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के दो दिवसीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे के तहत सोमवार को मेरठ आगमन पर काशी टोल प्लाजा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. सोमेंद्र तोमर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए कार्यकर्ता ट्रैक्टर, कार और बसों से काशी टोल प्लाजा पहुंचे। रणभेरी, शंखनाद और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर नितिन नबीन का अभिनंदन किया। बुलडोजरों से की गई पुष्पवर्षा आकर्षण का केंद्र रही। स्वागत के दौरान नितिन नबीन और डॉ. सोमेंद्र तोमर के बीच आत्मीयता का दृश्य भी देखने को मिला। नितिन नबीन ने सोमेंद्र तोमर से स्नेहपूर्वक मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह नजर आया। काशी टोल प्लाजा पर भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी मौजूदगी के चलते माहौल पूरी तरह उत्साह और उल्लास से भर गया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

मुड़ी चौराहे पर ट्रैफिक शुरू, गांवों में भी शांति, पुलिस और एलआईयू अलर्ट

यूजीसी रोलबैक प्रदर्शन के बाद आज हालात सामान्य

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में UGC रोलबैक की मांग को लेकर रविवार को हुए जोरदार प्रदर्शन के बाद सोमवार को हालात सामान्य हैं। मुड़ी चौराहे पर वाहनों का आवागमन सुचारु है। आसपास के गांवों में भी कोई हलचल नहीं है। लोग रोजमर्रा के काम में जुटे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस तैनात है। एलआईयू भी अलर्ट मोड पर है। संवाई और आसपास के गांवों में गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

UGC को लेकर रविवार को सवर्ण समाज के प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में सुबह से शाम तक लुकाछिपी चलती रही थी। पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद प्रदर्शनकारी एक्सप्रेस-वे जाम और 7 किलोमीटर तक ट्रैक्टर मार्च निकालने में कामयाब हो गए थे। UGC मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में रविवार को मुड़ी चौराहे से प्रदर्शन की शुरुआत हुई थी। यहां कई घंटे तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई। हंगामे की स्थिति को देखते हुए यहां वाहनों का आवागमन रोक दिया गया था। सोमवार सुबह से मुड़ी चौराहा पर हालात सामान्य हैं।

आगरा-हाथरस रोड को वाहन विहीन कर दिया गया। मुड़ी चौराहे से जिला मुख्यालय की दूरी करीब 20 किलोमीटर है। पूरे रास्ते पर पुलिस की मूवमेंट थी।

पुलिस अलर्ट मोड पर

सोमवार को क्षेत्र में भले ही शांति छाई हो लेकिन पुलिस अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह पुलिसकर्मी मुस्तैद हैं। एलआईयू के माध्यम से UGC बिल का विरोध करने वाले नेताओं और क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। मुखबिरों के माध्यम से भी संवाई तथा अन्य गांवों के अंदर की जानकारी ली जा रही है। कोशिश है कि रविवार को जिस तरह लोग सड़कों पर उतर आए थे, ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

अब जानिये रविवार को क्या हुआ था?

UGC मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में रविवार सुबह 8 बजे मुड़ी चौराहे से शुरू हुआ आंदोलन शाम 4 बजे तक टेढ़ी बगिया के नाई की सराय तक चला। इस दौरान हंगामे के बीच कई बार पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। नाकेबंदी के बावजूद एक्सप्रेस-वे पर पहुंच गए।

सपा का एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष बोले- सपा मुखिया की छवि धूमिल करने को भाजपा ने लगवाए पोस्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ लगाए गए पोस्टरों के विरोध में सपा का एक प्रतिनिधिमंडल एसएसपी कार्यालय पर पहुंचा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पर प्रदर्शन करके मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सपा के जिला अध्यक्ष जयवीर यादव के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे सपा प्रतिनिधि मंडल में सपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुरादाबाद में एसएसपी कार्यालय पर मौजूद समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए। ऐसे लोगों के खिलाफ NSA के तहत भी कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा आज विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा की बात नहीं करती। 2017 से अब तक भाजपा ने जनता से किए वादों में से एक भी पूरा नहीं किया। पोस्टरों के बारे में पता चलते ही सपा नेता मौके पर पहुंचे और पोस्टर फाड़ दिए। सपा जिलाध्यक्ष जयवीर यादव ने कहा कि ये पोस्टर भाजपा की ओर से लगवाए गए हैं और पुलिस से मामले की शिकायत की जाएगी। वहीं, बीजेपी का कहना है कि ये पोस्टर हमने नहीं लगवाए हैं। मुरादाबाद में रविवार रात शहर की सड़कों पर सपा मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ कुछ पोस्टर और होर्डिंग्स लगा दिए गए। इन पोस्टरों पर लिखा था- माफियाराज और अखिलेश, लूट लिया था पूरा प्रदेश।

पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

समाजवादी पार्टी के नेता राहुल ठाकुर ने कहा- मुरादाबाद की 28 नगर विधानसभा में हमारे नेता आजम खान के खिलाफ भाजपा की ओर से विवादित पोस्टर लगाए गए थे। सूचना मिलते ही हमारे कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और होर्डिंग हटाए। इसके बाद SSP मुरादाबाद से मुलाकात कर ज्ञापन दिया और पोस्टर लगाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान जयवीर यादव ने कहा कि सपा मुखिया की छवि को धूमिल करने के लिए यह पोस्टर भाजपा की ओर से लगवाए गए हैं। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करके कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

लआजादी में रहा कलमकारों का योगदान, आज सुरक्षा की गारंटी जरूरी : डॉ. अनुराग सक्सेना

महाराष्ट्र की तर्ज पर पूरे देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करे सरकार: जेसीआई

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी / नई दिल्ली । लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता की सुरक्षा और स्वतंत्रता को लेकर देशभर में बहस तेज हो गई है। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने मांग उठाई है कि महाराष्ट्र की तर्ज पर देशभर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक कलमकार सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र की नींव मजबूत नहीं हो सकती। डॉ. सक्सेना ने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सत्ता के दुरुपयोग पर सवाल उठाने, जनहित के मुद्दों को उठाने और समाज में जागरूकता फैलाने का काम करती है। उन्होंने याद दिलाया कि देश की आजादी की लड़ाई में भी कलमकारों का योगदान कम नहीं रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक पत्रकारों ने अपनी कलम के जरिए जनचेतना जगाई और अंग्रेजी हुकूमत की नीतियों को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी पत्रकारों को सुरक्षा, सम्मान और संरक्षण की गारंटी नहीं मिल पाना चिंता का विषय है। महाराष्ट्र में लागू पत्रकार सुरक्षा कानून इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जिसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गैर-मान्यताप्राप्त पत्रकारों को भी संगठन के माध्यम से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी होगी। डॉ. सक्सेना ने कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून केवल एक कानून नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह पत्रकारों के खिलाफ होने वाली हिंसा, धमकी और दबाव की घटनाओं को गंभीरता से ले और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही, पत्रकारों के लिए बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और वित्तीय सहायता जैसी योजनाओं को भी मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) इस दिशा में लगातार प्रयासरत है और देशभर के पत्रकारों को संगठित कर उनकी आवाज बुलंद करने का काम कर रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

बाबर के अनुयायियों ...

हनुमान भक्त ही ये काम कर सकते हैं। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा- पहले यूपी में दंगे होते थे। अब कानून का राज है। पहले पहचान का संकट था, युवाओं से भेदभाव होता था, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। अब विकास यूपी की पहचान बन गया है। सीएम योगी ने यूपी को उत्तम प्रदेश बना दिया है। 2 दिन के पश्चिमी यूपी के दौरे पर मेरठ पहुंचे नितिन नवीन सुभारती यूनिवर्सिटी में शक्ति केंद्र संयोजकों और मंडल अध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- योगी ने यूपी की तस्वीर बदलने का काम किया। जब उनके काम को लेकर आप लोग जनता के बीच जाएंगे तो विरोधी भी आपसे नजर नहीं मिला पाएंगे। नितिन नवीन ने मंच से हाथ जोड़कर कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार सोमेंद्र तोमर का गाल थपथपाया। इस बीच, पुलिस ने सपा नेता गौरव गुर्जर को हाउस अरेस्ट कर लिया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि नितिन नवीन का दौरा यूपी के चुनाव के लिए भाजपा शंखनाद है। अब पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह 'ग्राउंड-लेवल' पर उतर जाएगी।

आईआईटी : बॉम्बे ...

ग्लोबल IIT एलुमनाई सपोर्ट ग्रुप के मुताबिक, पिछले 20 साल में IIT के कुल 160 छात्रों ने आत्महत्या की हैं। IIT बॉम्बे ने डायरेक्टर प्रो. शिरीष केदारे के इस्तीफे को लेकर भी सफाई दी। संस्थान ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि डायरेक्टर ने इस्तीफा नहीं दिया है। इससे पहले रविवार देर रात डायरेक्टर ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ 3 घंटे मीटिंग की थी। उन्होंने छात्रों से कहा था कि वह तय प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस्तीफा देंगे। डायरेक्टर ने छात्रों की 18 मांगों वाले डॉक्यूमेंट पर साइन भी किए थे। साहिल के माता-पिता ने प्रोफेसर दूल्ला समेत अन्य लोगों के खिलाफ 19 सितंबर को FIR दर्ज कराई थी। साहिल के पिता रविंद्र वाकोडे ने कहा कि प्रोफेसर दूल्ला उनके बेटे को जातिसूचक गालियां देते थे और करीब 3 महीने से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में IIT बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिश बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और SC/ST एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। PTI के मुताबिक, क्राइम ब्रांच आरोपी प्रोफेसर और अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुला सकती है।

कर्नाटक विधानसभा ...

कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के साथ 'वंदे मातरम' के सभी 6 पद गाए जाएं। इसके बाद 19 अगस्त को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने वंदे मातरम को लेकर 1937 के अपने प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया। इस प्रस्ताव के तहत पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल 2 पैरा जाते हैं। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया। इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालने या इसका सार्वजनिक अपमान करने को दंडनीय अपराध माना गया है। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। इस बार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से 'वंदे मातरम' के पूरे 6 छंद गाए गए।

राम मंदिर में 70 नहीं...

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि SIT 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल कर देगी। सुप्रीम कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को कानून के मुताबिक चार्जशीट पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ताओं ने SIT रिपोर्ट की कॉपी मांगी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे देने से इनकार कर दिया। CJI की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वह मामले को सेशन जज के अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं करना चाहती। जरूरत पड़ने पर कोर्ट आगे की जांच के संबंध में आदेश जारी कर सकता है। रामजन्मभूमि थाने में 25 जून को 8 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज हुई थी। इनमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, सुभाष श्रीवास्तव, अविनाश शुक्ल, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्र शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपियों पर मंदिर से चोरी, कर्मचारी के तौर पर संपत्ति की चोरी, आपराधिक विश्वासघात, चोरी की संपत्ति को छिपाने या उसका इस्तेमाल करने में मदद, आपराधिक साजिश और साझा मंशा से अपराध करने जैसी धाराओं में कार्रवाई की गई है। सभी फैजाबाद जेल में बंद हैं।

ममता की नई पार्टी ...

बाद में दिसंबर 2021 में चुनाव आयोग ने पार्टी को स्थायी चुनाव चिन्ह "आरी" आवंटित कर दिया। राजा भैया (रघुराज प्रताप सिंह) ने 2018 में पार्टी बनाई थी। तेलंगाना की युगा तुलसी पार्टीः तेलंगाना की युगा तुलसी पार्टी को फुटबॉल खिलाड़ी चिह्न मिला था। 2025 के जुबली हिल्स उपचुनाव में पार्टी इसी चिह्न पर मैदान में थी। इसके बाद बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन दिया। बाद में 2007 के नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण आंदोलन से जुड़े मामलों में प्रधान को गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्वी मेदिनीपुर के खेजुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों के सिलसिले में कांग्रेस के नंदीग्राम उम्मीदवार मिलन प्रधान को 5 अक्टूबर तक जेल भेज दिया गया है। ममता गुट के लिए नाम का चुनाव भी राजनीतिक संदेश देता है। अंतरिम नाम में 'ममता' जोड़ा गया है। पुराने नाम की जगह नेता का नाम रखा गया है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के पुराने नाम और सिंबल फ्रीज करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका पर तुरंत सुनवाई की तारीख तय करने पर सहमति जताई। विरोधी पक्ष को भी अपनी दलील रखने का मौका मिलेगा। यह कानूनी लड़ाई आगे चलकर पार्टी के मूल नाम और सिंबल का फैसला कर सकती है। हालांकि, इस फैसले का इंतजार किए बिना राजनीतिक अभियान चलाना शुरू कर दिया गया है।

सोनिया के वोटर ...

इस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी संज्ञेय अपराध की पुलिस जांच का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने और पुलिस जांच कराने की मांग खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि शिकायत में धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराध के जरूरी तथ्य/सबूत पर्याप्त रूप से नहीं दिए गए थे। शिकायत मुख्य रूप से 1980 की मतदाता सूची की 'फोटो कॉपी की फोटो कॉपी' पर आधारित थी, जो प्रमाणित दस्तावेज नहीं था। कोर्ट ने कहा कि केवल आरोप लगाना, बिना जरूरी विवरण और ठोस आधार के, कानूनी रूप से पर्याप्त नहीं है। मजिस्ट्रेट ने यह भी कहा कि नागरिकता का मामला केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। मतदाता सूची में किसी व्यक्ति को शामिल करने या हटाने की पात्रता तय करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामला वापस मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया है। मजिस्ट्रेट को BNSS की धारा 175 (3) की आवश्यकताओं के अनुसार नया और कारणयुक्त आदेश देना होगा। साथ ही, शिकायतकर्ता के तर्कों पर नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के इस आदेश का मतलब यह नहीं है कि सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप साबित हो गए हैं। अदालत ने मजिस्ट्रेट के जांच से इनकार करने वाले आदेश को रद्द कर मामले पर नए सिरे से विचार करने को कहा है।

जोश इंग्लिस का शतक, एलिस ने 36 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी लिए

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को एक विकेट से हराया

जीत

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को तीसरे और आखिरी वनडे 1 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से स्वीप कर लिया है। हरारे में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 271 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 49.5 ओवर में 9 विकेट खोकर 272 रन बना दिए।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो जोश इंग्लिस और नाथन एलिस रहे। इंग्लिस ने 102 गेंदों पर 103 रन बनाए। एलिस 36 रन बनाकर नाबाद रहे और गेंदबाजी में भी 3 विकेट लिए।

272 रन का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। ट्रेविस हेड 6 और कप्तान मिचेल मार्श 8 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनॉली और इंग्लिस ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़े।

जोश इंग्लिस ने 94 बॉल पर शतक लगा दिया।

इंग्लिस ने इसके बाद एलेक्स कैरी के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की। कैरी 34 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इंग्लिस एक छोर संभाले रहे। उन्होंने 94 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और 102 गेंदों में 103 रन बनाए।

इंग्लिस के आउट होने के समय ऑस्ट्रेलिया 227/8 पर था। इसके बाद ब्रैड इवांस ने जम्पा को भी आउट कर दिया, लेकिन एलिस और जॉनसन ने आखिरी विकेट पर 27 रन जोड़कर मैच जिम्बाब्वे से छीन लिया।

रविवार को जिम्बाब्वे ने 8 विकेट पर 271 रन बनाए। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में उसका पहले बल्लेबाजी करते हुए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। जिम्बाब्वे के शुरुआती दो बल्लेबाज बेन करन और ब्रायन बेनेट जल्दी आउट हो गए। ब्रेंडन टेलर भी 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे और टीम 68/3 पर पहुंच गई।

आखिरी ओवर में 9 रन चाहिए थे, एलिस ने छक्के से दबाव हटाया

ऑस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 9 रन चाहिए थे। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने गेंद वेस्ली मदहेवेरे को दी। एलिस ने पहली ही गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का लगा दिया। अब 5 गेंद पर 3 रन चाहिए थे। एलिस ने दो सिंगल लेकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की आखिरी विकेट के लिए एलिस और स्पेंसर जॉनसन ने 27 रन जोड़े। इससे पहले एडम जम्पा 9वें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए थे और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 27 रन चाहिए थे। जिम्बाब्वे के पास मैच जीतने का मौका था, लेकिन मदहेवेरे ने एलिस का कैच छोड़ दिया।

कॉनॉली 21 रन पर आउट हुए।

> रजा ने अंत तक बल्लेबाजी की और 72 गेंदों पर नाबाद 81 रन बनाए। उन्होंने पारी को आखिरी ओवरों तक संभाले रखा। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस ने 50 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि ब्रैड इवांस ने 47 रन देकर 4 विकेट लिए।

एडियाड में भारतीय महिला हॉकी टीम की लगातार दूसरी जीत

इंडोनेशिया को 17-1 से हराया, दीपिका-रुतुजा ने 3-3 गोल किए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में इंडोनेशिया को 17-1 से हराया। काकामिगाहारा में पूल-बी के मुकाबले में दीपिका सेहरावत, रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने 3-3 गोल किए। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है।

दीपिका ने 8वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और रुतुजा ने गोल किए। दूसरे क्वार्टर में लालरेमसियामी, रुतुजा, साक्षी राणा, दीपिका और सुनेलिता ने गोल किए। हाफ टाइम तक भारत 9-0 से आगे था।

इंडोनेशिया के लिए इनेस अदियाता ने 32वें मिनट में एकमात्र गोल किया। इसके बाद सलीमा टेटे, नवनीत कौर, इशिका, रुतुजा और दीपिका ने गोल कर तीसरे क्वार्टर तक भारत की बढ़त 14-1 कर दी।

आखिरी क्वार्टर में नवनीत ने 56वें और 57वें मिनट में गोल किए। साक्षी राणा ने भी 57वें मिनट में गोल कर भारत की जीत 17-1 कर दी।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में 8 गोल करने वाली दीपिका ने इंडोनेशिया के खिलाफ 3 गोल किए। वह अब दो मैचों में 11 गोल कर चुकी हैं।

- हाफ टाइम तक 9-0 की बढ़त
- तीसरे क्वार्टर में इंडोनेशिया ने किया एक गोल
- दीपिका का लगातार दूसरा शानदार प्रदर्शन

रोहित शर्मा पहुंचे लालबागचा राजा मंदिर बप्पा का आशीर्वाद लिया

वेस्टइंडीज से सीरीज में खेलते नजर आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा रविवार को मुंबई में लालबागचा राजा गणपति पंडाल पहुंचे। उन्होंने पत्नी रितिका सजदेह के साथ गणपति बप्पा के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। रोहित गणेशोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। रोहित को इसी महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सीरीज का पहला मैच 27 सितंबर को खेला जाएगा।

रोहित शर्मा ने जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। तीसरे वनडे में उन्होंने लॉर्ड्स पर 137 रन की पारी खेली थी।

रोहित की जगह को लेकर इंग्लैंड दौरे के दौरान चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें टीम में बनाए रखा है। रोहित ने शनिवार को टीवी की दुनिया में कदम रखा। उनके मोस्ट अवेटेड टेलीविन शो 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' का पहला एपिसोड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर रिलीज हुआ। यह पारिवारिक शो एक एंटरटेनमेंट प्रोग्राम के होस्ट के तौर पर रोहित शर्मा का पहला बड़ा शो था। शो के पहले एपिसोड में क्रिकेट और एंटरटेनमेंट जगत के कई जाने-माने चेहरे नजर आए। इनमें श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर, अभिषेक नायर और एक्टर कुणाल खेमू शामिल थे।

रोहित शर्मा के साथ उनकी बातचीत इस एपिसोड का सबसे खास पल रहा है, जिसमें क्रिकेट से जुड़े किस्से, हंसी-मजाक और परिवार के साथ देखने लायक मनोरंजन देखने को मिला।

सनथ जयसूर्या बोले- वैभव सूर्यवंशी भारत का फ्यूचर

नई दिल्ली। पूर्व श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या ने रविवार को कहा कि वैभव सूर्यवंशी भारत के फ्यूचर हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

जयसूर्या ने कहा कि सूर्यवंशी के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए काफी समय है। मौका मिलने पर वह अपनी प्रतिभा साबित कर देंगे।

सूर्यवंशी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। उन्हें एशियन गेम्स के लिए भी टीम में शामिल किया गया है। जयसूर्या ने कहा- 'वह अलग तरह की प्रतिभा हैं। उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने का मौका दीजिए। वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

उन्होंने कहा- 'मौके आएंगे। वह किस नंबर पर खेलेंगे, यह मैं नहीं बता सकता। यह स्थिति पर निर्भर करेगा। लेकिन जब मौका आएगा, तो वह उसे भुना लेंगे।

भारत ने नीदरलैंड्स को 3-1 से मात दी ■ गुकेश भी जीते

चेस ओलंपियाड-प्रज्ञानानंद ने अनीश गिरी क हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

समरकंद में चल रहे 46वें चेस ओलंपियाड के 5वें राउंड में भारतीय मेंस टीम ने नीदरलैंड्स को 3-1 से हरा दिया। बोर्ड-1 पर आर प्रज्ञानानंद ने नीदरलैंड्स के नंबर-1 खिलाड़ी अनीश गिरी को हराया, जबकि वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने भी जीत दर्ज की।

अर्जुन एरिगैसी और निहाल सरीन के मुकाबले ड्रॉ रहे। इस जीत के साथ भारत 10 मैच पॉइंट के साथ उज्बेकिस्तान और जर्मनी के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर है। बोर्ड-4 पर डी गुकेश ने नीदरलैंड्स के एरविन लामी को हराया। गुकेश की यह टूर्नामेंट में पांच मैचों में चौथी जीत है और उनके 4.5 अंक हो गए हैं।

विमेंस में डिफेंडिंग चैंपियन भारत को पोलैंड से 1.5-2.5 से हार मिली। आर वैशाली को अलेक्जेंड्रा माल्त्सेवस्काया ने हराया। कोनेरू हंपी और दिव्या देशमुख के मुकाबले ड्रॉ रहे। वंतिका अग्रवाल ने भी अपना मैच ड्रॉ खेला। पोलैंड के खिलाफ भारत की यह लगातार तीसरी ओलंपियाड हार है।

प्रज्ञानानंद ने गिरी की लगातार चार जीत का सिलसिला रोका

प्रज्ञानानंद और अनीश गिरी का मुकाबला करीब 5 घंटे चला। गिरी इससे पहले अपने चारों मुकाबले जीत चुके थे। प्रज्ञानानंद को गिरी ने ड्रॉ का ऑफर भी दिया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया और मुकाबला जारी रखा। आखिरकार प्रज्ञानानंद ने जीत दर्ज कर गिरी की विजयी लय रोक दी।

राउंड-5 में बड़ा उलटफेर भी हुआ। पांचवीं सीड जर्मनी ने टॉप सीड अमेरिका को 2.5-1.5 से हराया। फ्रेडरिक स्वेन ने हंस नीमन को हराकर जर्मनी की जीत तय की। राउंड-5 के बाद पुरुष वर्ग में भारत, उज्बेकिस्तान और जर्मनी तीनों के 10-10 मैच पॉइंट हैं। राउंड-6 में भारतीय पुरुष टीम का सामना मेजबान और 2022 चैंपियन उज्बेकिस्तान से होगा। दोनों टीमें 10-10 मैच पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर हैं।

मनोरंजन

सलमान की फिल्म पर पड़ेगा असर, हिंसा, ड्रग्स और महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्ती

सेंसर बोर्ड की नई गाइडलाइन

भारतीय फिल्मों के सर्टिफिकेशन को लेकर सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गुरुवार को फिल्म सर्टिफिकेशन के नियमों में बदलाव किया है। नई गाइडलाइन ने 1991 में बनाए गए पुराने नियमों की जगह ली है। हालांकि सेंसरशिप के पुराने प्रावधानों को पूरी तरह बदला नहीं गया है, लेकिन क्रिएटिव फ्रीडम, सामाजिक बदलाव, उम्र के हिसाब से रेटिंग और कंटेंट से जुड़े नियमों को नए तरीके से स्पष्ट किया गया है। नई गाइडलाइन में फिल्ममेकर्स को हिंसा, ड्रग्स, धूम्रपान, यौन हिंसा और महिलाओं के चित्रण को लेकर खास सावधानी बरतने को कहा गया है। साथ ही बच्चों और कमजोर वर्गों के चित्रण से जुड़े नियम भी स्पष्ट किए गए हैं। फिल्मों में हिंसा या अपराध को बढ़ावा देने या उसका महिमामंडन करने से बचना होगा। अपराध करने के तरीकों को इतनी विस्तार से दिखाने पर भी रोक होगी, जिससे लोगों को अपराध करने का तरीका मिल सके। बिना जरूरत की अत्यधिक हिंसा, क्रूरता और डरावने दृश्यों को भी कम करने के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों को हिंसा का शिकार, हिंसा करने वाला या जबरन हिंसा का गवाह बनाकर दिखाने वाले कंटेंट पर भी सख्ती की गई है। बच्चों के साथ दुर्व्यवहार को दिखाने से भी बचने को कहा गया है।

फिल्मों में जानवरों के साथ बिना जरूरत की क्रूरता दिखाने पर रोक रहेगी। इसके अलावा शारीरिक या मानसिक रूप से दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाने या उनके साथ दुर्व्यवहार दिखाने वाले कंटेंट को भी प्रतिबंधित किया गया है।

सलमान खान की फिल्म पर पड़ सकता है असर

सलमान खान जल्द ही फिल्म मातृभूमि में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म भारत-चीन की झड़प पर बनी है, जिसमें जाहिर तौर पर चीन के खिलाफ कुछ सीन दिखाए जाएंगे, लेकिन नई गाइडलाइन से फिल्म पर बुरा असर पड़ सकता है। क्योंकि अब फिल्मों में ऐसे देशों के खिलाफ सीन नहीं रखे जा सकते, जिनसे भारत के संबंध अच्छे हैं।

> नई गाइडलाइन के मुताबिक सेंसर बोर्ड को यह ध्यान रखना होगा कि फिल्मों में सामाजिक मूल्यों और जिम्मेदारी का पालन हो, लेकिन इसके नाम पर कलाकारों की रचनात्मक आजादी को अनावश्यक रूप से नहीं रोका जाए। यानी सेंसरशिप और क्रिएटिव फ्रीडम के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

सेंसर बोर्ड में शामिल 5 बड़े चेहरे

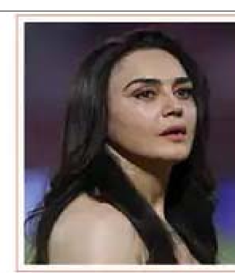

प्रीति जिंटा

सुनील शेट्टी

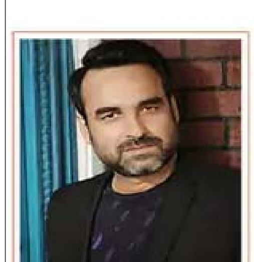

पंकज त्रिपाठी

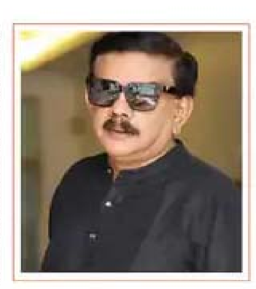

प्रियदर्शन

रुपाली गांगुली

'पू' से डीसीपी अजूनी कोहली तक, 26 साल के करियर में एक्ट्रेस ने निभाए ग्लैमर से लेकर गंभीर किरदार

46 की हुई करीना कपूर

नई दिल्ली। 21 सितंबर 1980 को जन्मी करीना कपूर आज 46 साल की हो गई हैं। करीब ढाई दशक से ज्यादा लंबे करियर में करीना ने हिंदी सिनेमा में कई तरह के किरदार निभाए हैं। शुरुआत में जहां उनकी पहचान ग्लैमरस और कमर्शियल फिल्मों की हीरोइन के तौर पर बनी, वहीं समय के साथ उन्होंने ऐसे किरदार चुने जिनमें ग्लैमर से ज्यादा कहानी और किरदार की गहराई नजर आई। करीना ने साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद 'मुझे कुछ कहना है', 'अजनबी' और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी फिल्मों ने उन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा की चर्चित एक्ट्रेस बना दिया। खासकर 'कभी खुशी कभी गम' की पू यानी पूजा शर्मा का किरदार उनकी ग्लैमरस इमेज का बड़ा हिस्सा बना। इसके बाद कुछ सालों तक करीना के करियर में रोमांटिक, ग्लैमरस और कमर्शियल फिल्मों का दबदबा रहा। 'मुझसे दोस्ती करोगे!', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'खुशी' और 'क्योंकि' जैसी फिल्मों में वह मुख्यधारा की हीरोइन के तौर पर नजर आईं। हालांकि इसी दौर में उन्होंने ऐसे किरदार भी किए, जिन्होंने आगे उनके करियर की दिशा बदलने का रास्ता तैयार किया। करीना के करियर में सबसे बड़ा बदलाव 2004 की फिल्म 'चमेली' से आया। इसमें उन्होंने एक सेक्स वर्कर का किरदार निभाया था। यह उनके पहले के ग्लैमरस किरदारों से बिल्कुल अलग था। इसी साल उन्होंने फिल्म 'देव' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी गुजरात दंगों की हिंसा से प्रभावित होती है। इसके बाद विशाल भारद्वाज की 'ओमकारा' में उन्होंने डॉली मिश्रा का किरदार निभाया, जो शेक्सपियर के 'ओथेलो' की डेसडेमोना से प्रेरित था। 'देव' और 'ओमकारा' दोनों फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस मिला था।

■ 'पू' (पूजा) के किरदार के हेलो... कौन है ये, जिसने मुड़कर मुझे नहीं देखा? वो कौन है? जैसे डायलॉग्स आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

रूसी संसदीय चुनाव में पुतिन समर्थक पार्टी जीती

परिणाम

शुरुआती नतीजों में पार्टी ने 57.5% वोट के साथ अजेय बढ़त बनाई

मॉस्को, एजेंसी

रूस के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की समर्थक यूनाइटेड रशिया पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। शुरुआती नतीजों में पार्टी ने 57.5% वोट के साथ अजेय बढ़त बना ली है। चुनाव के आधिकारिक नतीजे अभी आने बाकी हैं।

यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। पुतिन ने चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन से जोड़कर पेश किया था। 2021 के पिछले संसदीय चुनाव में यूनाइटेड रशिया ने स्टेट ड्यूमा की 450 में से 324 सीटें जीती थीं। स्टेट ड्यूमा रूस की संसद का निचला सदन है। इसमें कुल 450 सीटें हैं। इनमें 225 सीटें पार्टी को मिले वोट के आधार पर

और 225 सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में सीधे चुनाव से तय होती हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूनाइटेड रशिया पार्टी के सदस्य नहीं हैं। हालांकि, वे 2008 से 2012 तक पार्टी के चेयरमैन रह चुके हैं। उस समय भी वे पार्टी के औपचारिक सदस्य नहीं थे।

यूनाइटेड रशिया के नियमों के मुताबिक, पार्टी का चेयरमैन होना जरूरी नहीं कि उसकी सदस्यता से जुड़ा हो। इसलिए पुतिन पार्टी के सदस्य बने बिना भी इसके चेयरमैन रहे।

2012 में पुतिन ने पार्टी चेयरमैन का पद छोड़ दिया। इसके बाद दिमित्री मेदवेदेव को पार्टी का चेयरमैन बनाया गया।

यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी चुनाव से बाहर

रूस की युद्ध-विरोधी पार्टी याब्लोको को इस बार पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं को अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति मिली। इसके अलावा कई सरकार विरोधी नेताओं और उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला। रूस में इस चुनाव में 56.66% लोगों ने वोट डाला। मॉस्को में मतदान रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

पुतिन ने खुद सार्वजनिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्होंने यूनाइटेड रशिया की सदस्यता क्यों नहीं ली। इसलिए इसके पीछे किसी खास राजनीतिक रणनीति को वजह बताना सही नहीं होगा।

रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को यूक्रेन ने मॉस्को और आसपास के इलाकों में 1,600 से ज्यादा ड्रोन भेजे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के

तस्वीर रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा की है।

> चुनाव से पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लोगों से यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन में वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों का वोट सैनिकों के समर्थन को दिखाएगा।

मुताबिक, हमले में राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

यूएस ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

मिडिल-ईस्ट में हालात बिगड़ने का खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने अपने नागरिकों से ईरान की यात्रा न करने के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें अमेरिकी नागरिकों से कहा गया है कि वे किसी भी वजह से ईरान न जाएं और जो लोग पहले से वहां मौजूद हैं वे तुरंत वहां से निकल जाएं। यह कदम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हालात के और बिगड़ने के खतरे को देखते हुए उठाया गया है।

एक सुरक्षा अलर्ट में ईरान में अमेरिकी वर्चुअल दूतावास ने कहा कि इलाके में सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। साथ ही यात्रियों को चेतावनी दी गई कि उन्हें उड़ानें रद्द होने, एयरस्पेस बंद होने और दूसरी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। एडवाइजरी में कहा गया, किसी भी वजह से ईरान की यात्रा न करें। अमेरिकी नागरिकों को

अभी ईरान छोड़ देना चाहिए। अमेरिकी मिशन ने इलाके में मौजूद अमेरिकियों से बहुत सतर्क रहने और एयरपोर्ट, एयरलाइन और बॉर्डर क्रॉसिंग से जुड़ी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने को कहा।

इसमें यह भी चेतावनी दी गई कि ईरान की जमीनी सीमाओं पर नियम बिना किसी सूचना के बदल सकते हैं। यात्रियों को सलाह दी गई कि वे जिस भी देश में जाना चाहते हैं वहां की एंट्री से जुड़ी जरूरतों की जांच कर लें। अमेरिका ने ईरान समर्थित हूती बलों की गतिविधियों का भी जिक्र किया, जिन्होंने सऊदी अरब में हमले किए हैं।

फास्ट न्यूज

सहयोगी देशों को भी मानेंगे युद्ध का हिस्सा

तेहरान। पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को कड़ी चेतावनी दी है। बयान में कहा गया है कि अगर अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ईरान पर कोई नई सैन्य कार्रवाई की, तो इसका जवाब बहुत कड़ा होगा। ईरान ने कहा कि जवाबी कार्रवाई में पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी हितों पर लगातार और प्रभावी हमले किए जाएंगे। ये हमले दर्दनाक होंगे।

कनाडा में ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश

ओटावा। कनाडा में फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान एक दुखद हवाई दुर्घटना में 2 भारतीय छात्रों की मौत हो गई। घटना की पुष्टि कनाडा स्थित भारतीय दूतावास कंसुलेट जनरल ऑफ इंडिया वैंकूवर ने की है। इस घटना में जान गवांने वाले भारतीय छात्रों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरन तिरुज्ञानसंबंधम के तौर पर हुई है। दूतावास ने सोशल साइट X पर पोस्ट कर लिखा, 'वैंकूवर स्थित भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नान-संबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

फैक्ट्री में आग लगने से 8 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के फोशान शहर में एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में आग लग गई। आग लगने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया है। घटना रविवार दोपहर 3 बजे के करीब की है। फोशान, ग्लांवडोंग प्रांत में स्थित है। सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक आग दोपहर 3:12 बजे एक इंडस्ट्रियल पार्क के अंदर बनी दो मंजिला इमारत में लगी थी और लगभग एक घंटे तक इमारत आग की आगोश में थी और करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया।

इटली में बुर्का और नकाब पर बैन लगेगा

रोम, एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि इस संबंध में कैबिनेट जल्द प्रस्ताव पर फैसला लेगी। मेलोनी ने कहा कि स्कूलों में चेहरा ढका नहीं होना चाहिए और किसी पर परंपरा के नाम पर चेहरा ढकने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित रखने की भी योजना है। प्रस्तावित नियमों के तहत उन विदेशी छात्रों के माता-पिता को इटैलियन भाषा सीखनी होगी, जिनके बच्चों को स्कूल में घुलने-मिलने और इटली की शिक्षा व्यवस्था में शामिल होने में दिक्कत हो रही है। बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने वाला इटली पहला देश नहीं होगा। फ्रांस और चीन समेत दुनिया के करीब 24 देशों में सार्वजनिक जगहों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले

> अभी दुनिया के 24 देशों में रोक स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी कम होगी

कपड़ों पर अलग-अलग तरह की पाबंदियां लागू हैं। इटली में चेहरा ढकने को लेकर 1975 से कानून है। इसके तहत सार्वजनिक जगहों पर इस तरह चेहरा ढकना मना है, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान न हो सके। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है। 2008 के एक कोर्ट के फैसले में कहा गया था कि अगर कोई व्यक्ति धार्मिक या सांस्कृतिक वजह से चेहरा ढकता है, तो सिर्फ इसी वजह से उसे कानून तोड़ने वाला नहीं माना जाएगा।

यह रूस से युद्ध खत्म करने में अहम, इससे बहुत कुछ बदल सकता है

अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में ट्रम्प से मुलाकात : जेलेंस्की

कीव, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बात की है। दोनों नेताओं ने तय किया है कि वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के दौरान मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की ने X पर पोस्ट किया कि रूस के साथ साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए यह मुलाकात बहुत अहम है और इससे बहुत कुछ बदल सकता है।

रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा

ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच शांति समझौते में यह सबसे बड़ी अड़चनों में से एक बना हुआ है।

डोनबास को रूस बेहद अहम मानता है और इसे छोड़ना नहीं चाहता। पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले इलाकों पर अपना दावा छोड़ना होगा।

22 जनवरी 2026 को स्विट्जरलैंड के दावोस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने मुलाकात की थी।

> जेलेंस्की ने बताया कि इस मुलाकात में युद्ध का तनाव कम करने के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और आम लोगों की सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों पर विचार किया जाएगा। अमेरिका और यूक्रेन की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। अब हम हालात सुधारने के लिए कुछ बड़े और गंभीर कदम उठाने को पूरी तरह तैयार हैं।

4 साल से जारी है रूस-यूक्रेन जंग

रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है।

रूस के पास यूक्रेन के करीब 20% इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी।

अब तक 50% महंगा हुआ, 389 रुपए लीटर कीमत मिडिल ईस्ट में लड़ाई के चलते दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही

पेट्रोल 1000 रुपए तक पहुंच सकता है : पाकिस्तानी मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने रविवार को कहा कि अगर देश में पेट्रोल की कमी हुई तो कीमत और बढ़ सकती है।

मंत्री के मुताबिक, पाकिस्तान में पेट्रोल अब तक करीब 50% महंगा हो चुका है। फिलहाल पेट्रोल 389 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर और डीजल 424 रुपए प्रति लीटर है।

मिडिल ईस्ट में लड़ाई के चलते दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। जंग 28 फरवरी को शुरू हुई थी। इस दिन पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 258.17 रुपए थी। इसमें अब तक 131 रुपए का इजाफा हो चुका है। यह करीब 51 फीसदी है।

बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान सरकार ने बाइक, रिक्शा और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर सब्सिडी योजना शुरू की है। इसमें पेट्रोल पर 100 रुपए प्रति लीटर तक की सब्सिडी दी जा रही है।

हर पात्र व्यक्ति को महीने में 4 टोकन मिलेंगे। हर टोकन पर 500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। योजना में 1 जनवरी 2006 से रजिस्टर्ड मोटर-साइकिलें भी शामिल हैं।

सरकार के मुताबिक, योजना में 17.5 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। करीब 15 लाख टोकन जारी हो चुके हैं और 6.80 लाख से ज्यादा टोकन इस्तेमाल किए जा चुके हैं। बांग्लादेश सरकार ने ईंधन की कीमतों में 17.4% तक बढ़ोतरी की है। नई कीमतें सोमवार, 21 सितंबर से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी से बांग्लादेश में ट्रांसपोर्ट और सामान बनाने की लागत बढ़ सकती है।

तस्वीर 17 सितंबर को कराची के पेट्रोल पंप पर ईंधन भराने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते लोगों की हैं।

अक्टूबर तक पाकिस्तान में मिल सकता है घरेलू तेल

पाकिस्तान सरकार देश में नए तेल भंडार खोजने पर काम कर रही है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, तेल के कुओं पर काम शुरू हो चुका है और अक्टूबर तक कच्चा तेल मिलने की उम्मीद है।

सरकार ने तेल और गैस की खोज के लिए नए ब्लॉक भी कंपनियों को दिए हैं। इसका मकसद देश में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और विदेशों से तेल खरीदने पर खर्च कम करना है। अगर नए कुओं से व्यावसायिक स्तर पर तेल निकलता है, तो पाकिस्तान को अपनी जरूरत का कुछ हिस्सा देश में ही मिल सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने पर देश पर पड़ने वाला दबाव भी कम हो सकता है।

चांदी 2,346 गिरकर 2.35 लाख किलो पर आई

सोने के दाम आज 671 कम हुए, 10 ग्राम 1.53 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 21 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 671 रुपए घटकर 1.53 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,346 रुपए कम होकर 2.35 लाख रुपए पर आ गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी

बनाया था।

कोटक सिक्युरिटीज के सीनियर वीपी एंड कमोडिटी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी कहते हैं कि सोने को आम निवेशकों के साथ ही दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों जैसे आरबीआई का भी सपोर्ट हासिल है, जो लगातार सोना खरीद रहे हैं।

आगे मुश्किल हालात में भी सोने में तेजी बनी रहेगी। यदि हालात सुधरे तो चांदी में भी उछाल दिख सकता है। अभी जो भावी हालात नजर आ रहे हैं, उसके मुताबिक दिसंबर तक सोने की कीमत 1.70 लाख रुपए तक पहुंच सकती है। चांदी की कीमत भी 3 लाख रुपए तक जा सकती है।

दावा- 28 आतंकी मारे : तालिबान बोला- एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत, हमले का जवाब देंगे

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया कि हमले में 28 आतंकी मारे गए। वहीं, तालिबान सरकार ने कहा कि कुनार में 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 लोग घायल हुए।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि कुनार में एक घर पर हुए हमले में एक महिला और दो पुरुष मारे गए। पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में भी दो जगहों पर बमबारी हुई। यहां एक घर और दुकान को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं है।

मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान इस हमले का उचित जवाब देगा। पाकिस्तान का आरोप है कि

पाकिस्तानी एयर-स्ट्राइक के बाद कुनार के नोरगुल जिले में घरों को नुकसान पहुंचा। लोग मलबे के हालात का जायजा लेते नजर आ रहे हैं।

अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी उसके खिलाफ हमले कर रहे हैं। पाकिस्तानी एयर-

तालिबान बोला- पाकिस्तान ने अमेरिकी बम से हमला किया

तालिबान सरकार ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक में अमेरिका में बना Mk82 बम इस्तेमाल किया। अफगान सरकार ने बम के गाइडेंस सिस्टम का एक टुकड़ा भी जारी किया है। अफगान सरकार के मुताबिक, यह टुकड़ा Mk82 जनरल-पर्पस बम का है और सोमवार सुबह हुए पाकिस्तानी हमले में इसका इस्तेमाल किया गया था। Mk82 अमेरिका में बना सामान्य इस्तेमाल वाला बम है।

स्ट्राइक के बाद कुनार के नोरगुल जिले में घरों को नुकसान पहुंचा। लोग मलबे के हालात का जायजा लेते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी एयर-स्ट्राइक के बाद कुनार के नोरगुल जिले में घरों को नुकसान पहुंचा। लोग मलबे के हालात का जायजा लेते नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान इन हमलों के लिए अफगा-निस्तान में मौजूद TTP और उससे जुड़े समूहों को जिम्मेदार मानता है और उनके ठिकानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को जायज ठहराता है।

पाकिस्तान का आरोप- तालिबान टीटीपी को पनाह दे रहा

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान का दावा है कि TTP के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट में शुक्रवार को पुलिस परिसर के पास एक आत्मघाती हमला हुआ था।

प्याज 3 महीने में 82% महंगी, 30 से 54 किलो

महाराष्ट्र-कर्नाटक से प्याज की सप्लाई में कमी आई

नई दिल्ली, एजेंसी

जून-सितंबर के दौरान देश में प्याज की कीमतें तेजी से उछलीं। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून को प्याज का औसत खुदरा भाव 29.50 रुपए प्रति किलो था। 17 सितंबर को यह बढ़कर 53.78 रुपए प्रति किलो हो गया। यानी करीब साढ़े तीन महीने में ही प्याज की कीमतों में 82.3% की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई।

थोक बाजारों में तेजी और भी ज्यादा रही। 1 जून को थोक बाजार में प्याज का औसत भाव 22.60 रुपए किलो था। 10 सितंबर को यह 46.20 रु. हो गया, फिर 17 सितंबर को 45.68 रु. दर्ज किया गया। जून के मुकाबले प्याज के थोक भाव करीब दोगुने हो गए हैं।

महाराष्ट्र में गर्मियों की फसल खराब होने और आवक घटने से

कीमतें बढ़ी हैं। कर्नाटक से भी सप्लाई कम हुई है। नई खरीफ फसल की आवक में देरी से भी बाजार में प्याज की कमी बनी हुई है। हालांकि, जल्द ही कीमतें कम होने की उम्मीद है।

सरकार सस्ते में खरीदा प्याज जमा रखती है और दाम बढ़ते ही इसे 35 किलो जैसी सस्ती दरों पर बाजार में उतार देती है ताकि आम जनता को राहत मिले।

देश में किल्लत होने पर सरकार प्याज के निर्यात पर टैक्स या रोक लगाती है, जिससे देश के अंदर प्याज की कमी न हो।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676